सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 168 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 02 अप्रैल 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

नेशनल पार्क के पास दो महिला नक्सली ढेर

राजनांदगांव। नक्सलग्रस्त मंडला जिले में कान्हा किसली नेशनल पार्क के जंगल में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दो ईनामी महिला नक्सली को मार गिराया। मुठभेड़ सुबह 7 बजे की है। कान्हा नेशनल पार्क के सरही इलाके के भीरवानी गांव के पास आज सुबह मुठभेड़ हुई। नक्सल मोर्चे में तैनात हॉकफोर्स के जवानों ने मुठभेड़ में दो महिला नक्सली को ढेर कर दिया। मारी गई महिला नक्सलियों की शिनाख्ती ममता और प्रमिला के रूप में हुई है। बालाघाट रेंज आईजी संजय कुमार ने नक्सल मुठभेड़ की पुष्टि की है। उनका कहना है कि मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्चिंग तेज कर दी गई है। मिली जानकारी के मुताबिक मंडला जिले के बिछिया पुलिस अनुभाग के सरही इलाके के जंगल में नक्सलियों के साथ हॉकफोर्स का उस वक्त आमना-सामना हो गया, जब जवान गश्त कर रहे थे और नक्सली गश्ती दल पर फायरिंग कर दी।

लेक्चरर ने नकल करने में दिया साथ, हुई सस्पेंड

बिलासपुर। शिक्षा विभाग ने 10वीं-12वीं बोर्ड एग्जाम में नकल रोकने के लिए 6 उडऩदस्ता दल का गठन किया था। जिसमें 36 अधिकारी शामिल थे। उन्हें परीक्षा के दौरान जिले में एक भी नकलची छात्र नहीं मिले। वहीं, शिक्षा विभाग के अफसरों ने शहर से लगे उसलापुर स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल में एक महिला लेक्चरर को नकल कराते रंगे हाथों पकड़ा था। जिसे अब सस्पेंड कर दिया है।

गोभी सब्जी खाने से आधा दर्जन ग्रामीणों की बिगड़ी तबीयत, जिला अस्पताल में भर्ती

दंतेवाड़ा। जिले में आंगनबाड़ी में गोभी की सब्जी समेत अन्य खाना खाने के बाद 7 ग्रामीण बीमार हो गए हैं। इनमें एक 2 साल की एक बच्ची भी है। बताया जा रहा है सभी को अचानक पेट में दर्द हुआ। उल्टी-दस्त शुरू हुई जिसके बाद आनन-फानन में जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दरअसल, यह मामला दंतेवाड़ा के कूपेर गांव का है। एक दिन पहले गांव के आंगनबाड़ी में गोभी की सब्जी बनी थी। जिसे बच्चों ने खाया। जब सब्जी बच गई तो आंगनबाड़ी की कार्यकर्ता ने आंगनबाड़ी के पास में स्थिति 1-2 घर के ग्रामीणों को सब्जी दे दी। सब्जी खाने के बाद अचानक से ग्रामीणों की तबियत खराब हो गई। पहले 2 साल की बच्ची की तबियत बिगड़ी। इसने आंगनबाड़ी में ही सब्जी खाई थी। जिसके बाद अन्य 6 ग्रामीणों को भी उल्टी-दस्त होनी शुरू हो गई। जिसके बाद परिजनों ने इन्हें आनन-फानन में जिला अस्पताल में भर्ती किया है। इनमें कुछ महिलाएं भी शामिल हैं। फिलहाल सभी की स्थिति ठीक है।

डॉक्टर को जान से मारने की दी धमकी, तीन आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। सूदखोरों ने एक डॉक्टर को अपने चंगुल में फंसा लिया। पहले आरोपियों ने डॉक्टर को उधार में 16 लाख रुपए दिए, जिसके बदले में ब्याज सहित 30 लाख रुपए वसूल लिए। इसके बाद भी 27 लाख रुपए और देने के लिए डॉक्टर पर दबाव बनाया जा रहा था। पैसे नहीं देने से पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। डॉक्टर की शिकायत पुलिस ने केस दर्ज कर 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

छत्तीसगढ़ का एक गांव 'झींका'...और गांव की सरहद पर एक मंदिर...अनोखी है यहां की आस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। वैसे तो लोग प्रेत, प्रेतात्मा या फिर डायन नाम से ही डर जाते हैं क्योंकि इसको बुरी शक्ति माना जाता है। मगर झिंका गांव के लोगों की आस्था ऐसी है कि ये डायन (परेतिन माता) को माता मानते हैं और इसकी पूजा करते हैं। इसका एक छोटा सा मंदिर भी है सिकोसा से अर्जुन्दा जाने वाले रास्ते पर स्थित मंदिर को परेतिन दाई माता मंदिर के नाम से जाना जाता है। झिंका सहित पूरे बालोद जिले के लोग परेतिन दाई के नाम से जानते हैं। नवरात्रि में यहां विशेष अनुष्ठान की शुरुआत हो चुकी है और इस मंदिर में ज्योत भी जलाई गई है, आइए जानते हैं इस मंदिर की कहानी...

झींका गांव की सरहद में बने परेतिन दाई मंदिर का प्रमाण उसकी मान्यता आस्था का वो प्रतीक है। जिससे आज इस मंदिर को पूरे प्रदेश में जाना जाता है। बालोद जिले का यह मंदिर पहले एक पेड़ से जुड़ा हुआ था। माता का प्रमाण आज भी उस पेड़ पर है और उसके सामने शीश झुकाकर ही कोई आगे बढ़ता है। और यहां पर जो कोई भी मनोकामना मांगते हैं, वो पूरी जरूर होती है।

विशेष रूप से परेतिन दाई सूनी गोद भरती है। नारायण सोनकर ने बताया कि वो सब्जी व्यापारी हैं लेकिन जब भी वो यहां से गुजरते हैं सब्जियां माता को अर्पित कर गुजरते हैं इससे मां का आशीर्वाद बना रहता है।

नारायण सिंह ने बताया कि गांव के यदुवंशी (यादव और ठेठवार) मंदिर में बिना दूध चढ़ाए निकल जाते हैं तो दूध फट जाता है। ऐसा कई बार हो चुका है। ग्रमीण ने बताया कि यह मंदिर काफी पुराना और बड़ी मान्यता है। गांव में भी बहुत से ठेठवार हैं, जो रोज दूध बेचने आसपास के इलाकों में जाते हैं। यहां दूध चढ़ाना ही पड़ता है। जान बूझकर दूध नहीं चढ़ाया तो दूध खराब (फट) हो जाता है। इसलिए लोग यहां दूध चढ़ाते हैं।

दशकों से इस मंदिर की मान्यता है कि इस रास्ते से कोई भी मालवाहक वाहन या लोग गुजरते हैं और किसी तरह का समान लेकर जाते हैं तो उसका कुछ हिस्सा मंदिर के पास छोड़ना पड़ता है। चाहे खाने-पीने के लिए बेचने वाले सामान या फिर घर बनाने के लिए उपयोग में लाए जाने वाले सामान। आप वाहन में जो भी कुछ सामान ले जा रहे होते हैं उसमें से कुछ हिस्सा यहां चढ़ाना जरूरी है। ऐसा लोगों का मानना है कि कोई व्यक्ति अगर ऐसा नहीं करता है तो उसके साथ कुछ न कुछ अनहोनी होती है।

चैत्र और क्वार नवरात्रि में परेतिन माता के दरबार में विशेष आयोजन किए जाते हैं। जहां पर ज्योति कलश की स्थापना की जाती है और नवरात्रि के 9 दिन बड़ी संख्या में भक्तों का तांता लगा रहता है। भले ही मान्यता अनूठी हो लेकिन सैकड़ों वर्षों से चली आ रही परंपरा और मान्यता आज भी इस गांव में कायम है वर्तमान में 100 ज्योति कलश यहां पर प्रज्वलित किए गए हैं।

पुलिस जवानों पर हमला

हथियार की लूट व ग्रामीण की हत्या में शामिल 2 नक्सली गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है, इसी तारतम्य मुखबिर के आसूचना पर थाना जगरगुण्डा से जिला बल एवं 165 वाहिनी सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी एरिया डोमिनेशन/नक्सलियों की गिरफ्तारी हेतु ग्राम सिंगावरम व आस-पास क्षेत्र की रवाना हुए कि अभियान के दौरान 2 संदिग्धों को पोडियम लखमा पिता बुधरा (सुरपनगुड़ा आरपीसी कमेटी सदस्य) उम्र 40 वर्ष निवासी स्कूलपारा सिंगावरम थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा एवं तेलाम हिड़ा पिता हुंगा (सुरपनगुड़ा आरपीसी मिलिशिया सदस्य) उम्र 29 वर्ष जाति मुरिया निवासी स्कूलपारा सिंगावरम थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में उन्होने स्वीकार किया कि प्रतिबंधित नक्सल संगठन में उपरोक्त पदों पर कार्य करना एवं थाना जगरगुंडा में उनके विरुद्ध दर्ज प्रकरण की घटनाओं में शामिल थे, तथा इनके द्वारा छूपाकर रखे 3 नग बीजीएल सेल, 1 नग हंसिया बरामद करवाया गया। गिरफ्तार दोनो नक्सलियों के विरुद्ध थाना जगरगुण्डा में पोडियाम लखमा के विरूद्ध 4 गंभीर मामले एवं तेलाम हिड़ा के विरूद्ध 3 गंभीर मामले प्रकरण दर्ज है। उक्त गंभीर मामलों में साप्ताहिक बाजार में पुलिस जवान पर हमला कर घायल जवानों के हथियार को लूटकर ले जाना एवं ग्रामीण का अपहरण कर हत्या के मामले में अग्रिम कार्यवाही उपरांत न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया।

सुपेला अंडरब्रिज में पलट गया ऑयल से भरा टैंकर, चालक-हेल्फर फरार, बड़ा हादसा टला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला अंडरब्रिज में मंगलवार की देर रात ऑयल से भरा टैंकर पलट गया। सुपेला से टाउनशिप की ओर जा रहा ऑयल टैंकर अंडर ब्रिज के ठीक बीचो बीच मोड पर ऐसा पलटा कि पूरा वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। टैंकर पलटले से ड्राइवर व हेल्पर मामूली रूप से चोटिल हुए और टैंकर को छोड़कर भाग गए। सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की टीम पहुंची और वहां फोम की बौछार की जिससे आग नहीं लगी। घटना के बाद अंडर ब्रिज को एक ओर से बंद कर दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा मंगलवार की देर रात लगभग 12:30 से 1 बजे के बीच की बताई जा रही है। टैंकर क्रमांक सीजी 04 जेडी 3956 सुपेला से टाउनशिप की ओर जा रही थी। आधीरात को इसकी रफ्तार इतनी ज्यादा थी कि अंडरब्रिज के मोड़ पर ड्राइवर से नियंत्रित नहीं कर पाया और सामने बने रेलिंग से टकराते हुए टैंकर पलट गया। बताया जा रहा है कि टैंकर में ऑयल भरा हुआ था और वह अंडर ब्रिज के भीतर ही बह गया। इस दौरान चालक व हेल्पर फरार हो गए। गनीमत यह रही कि टैंकर में आग नहीं लगी वरना अंडरब्रिज के भीतर ब्लास्ट भी हो सकता था।

दरअसल मौके से किसी ने इसकी सूचना अग्निशमन कार्यालय दुर्ग को तात्काल दिया गया। सूचना मिलते ही अग्निशमन के दमकल टीमों को मौके पर तत्काल रवाना किया गया, और वहां पहुंचकर अग्निशमन कर्मियों ने ऑइल ट्रक पर फ़ोम की बौछार कर ऑइल ट्रक एवं अंडर ब्रिज पर भरे गैस को बड़े बहादुरी से कंट्रोल किया और ट्रक पर आग लगने से बचा लिया गया। सूचना के बाद पुलिस ने मोर्चा संभाला और अंडरब्रिज को एक ओर से बंद कर दिया गया। टैंकर को हटाने के बाद आवागमन फिर से शुरू होगा।

गोदाम में लगी भीषण आग: 20 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौजूद

गुरुग्राम (एजेंसी)। शहर के इंडस्ट्रियल एरिया के गोदाम में बीती देर रात भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गई आग इतनी भयानक थी कि गुरुग्राम समेत दूसरे जिलों से भी आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं लगा पाया है, फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामला गुरुग्राम के सरस्वती एन्क्लेव इलाके का है। हादसे को लेकर फायर स्टेशन के फायर ऑफिसर जय नारायण का कहना है कि उन्हें रात करीब 11.39 बजे गोदाम में आग लगने के बारे में पता चला था। मामले के बारे में पता लगते ही दूसरे जिलों से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को भी बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम, नूंह और झज्जर से फायर टेंडर को भी मौके पर बुलाया गया। जिसके घटनास्थल पर करीब 20 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड के अलावा मौके पर पुलिस बल भी मौजूद रहा।

रेस्क्यू अभियान चलाया जाएगा-एसएचओ

जय नारायण का कहना है कि करीब 5 फायर गाड़ियां खाली होने के बाद उन्हें मौके से रवाना कर दिया गया है, जबकि अन्य फायर ब्रिगेड की गाड़िया मौके पर मौजूद रही हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि इस हादसे की वजह से कंपनी को भारी मात्रा में आर्थिक नुकसान हुआ है। हादसे के बारे में एसएचओ रामबीर सिंह का कहना है कि आग इतनी भयानक लगी है, कि सुबह तक भी आग बुझाने का काम जारी रहा है। उनका कहना है कि गोदाम के अंदर किसी के फंसे होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पा लेने के बाद रेस्क्यू अभियान चलाया जाएगा। यह भी सामने आया है कि हादसे के वक्त गोदाम में क्या-क्या सामान रखा हुआ है, इसकी अभी तक जानकारी नहीं मिल पाई है।

50 मीटर की दूरी तक आग की तपन महसूस की गई

सिविल डिफेंस की टीम के मुताबिक उन्हें करीब रात 12 बजे हादसे के बारे में पता लगा था। जिसके बाद टीम मौके पर पहुंच गई, उनका कहना है कि अब तक हादसे की वजह का पता नहीं लग पाया है। टीम का कहना है कि उन्होंने घंटो तक रिहायशी एरिया से आग को दूर रखा। करीब 50 मीटर की दूरी तक आग की हीट को महसूस किया जा रहा था।सिविल डिफेंस की टीम ने आसपास रह रहे लोगों को अलर्ट किया गया है। सुबह तक आग बुझाने का काम अभी जारी है।

शराब और एक कपड़े का गोदाम भी चपेट में

घटनास्थल पर मौजूद सिक्योरिटी गार्ड का कहना है कि गोदाम में ऑनलाइन बेचा जाने वाला सारा सामान था। जिसमें कपड़े, जूते और दूसरा घरेलू सामान था। कपड़े जूते होने के कारण आग तेजी से भड़क गई। इसके अलावा गोदाम के साथ मे शराब का गोदाम और एक कपड़े का गोदाम तक भी आग पहुंच गई थी। आज सुबह तक भी आग की लपटें देखी गई थीं। बताया जा रहा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां अभी भी मौके पर मौजूद हैं। फिलहाल पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

भूकम्प के बीच वीरांगनाओं का साहस

श्रीकंचनपथ न्यूज

म्यांमार में 28 मार्च को आए भूकम्प ने जहां भारी तबाही मचाई वहीं इंसानियत और स्वास्थ्य प्रदाता उद्योग का वह चेहरा भी दिखा गई जिसकी चर्चा कम ही होती है। इस भूकम्प की जद में थाईलैंड, चीन, भारत और बांग्लादेश के कुछ हिस्से भी आए थे। एक तरफजहां तबाही की तस्वीरें और वीडियो आ रहे हैं वहीं दूसरी तरफबचाव कार्य और मानवता की मिसालें भी सामने आ रही हैं। चीन के यूनान प्रांत के रुइली शहर के अस्पताल में भी भूकम्प के तेज झटके महसूस किये गये। जब अस्पताल की दीवारें थरथरा रही थीं, पूरा भवन खतरनाक ढंग से झूल रहा था तब भी यहां की नर्सें और डॉक्टर मरीजों को बचाने की कोशिशें कर रहे थे। अपनी जान की परवाह किये बिना नर्सें नियोनेटल आईसीयू में दाखिल शिशुओं को संभाल रही थीं। मानवता का यह चेहरा अस्पताल के बाहर भी नुमायां हो रहा था। एक गर्भवती महिला की प्रसव पीड़ा शुरू हो गयी तो चिकित्सकों की टीम उसे लेकर निकट के पार्क में पहुंची। वहां इंसानों का घेरा बनाकर प्रसव कराया। ऐसी अनेक मिसालें हैं जहां लोगों ने व्यक्तिगत सुरक्षा और अपने परिवार की सुरक्षा की चिंता किये बिना कर्त्तव्य को आगे रखा। 26/11 के नाम से एक घटना भारत में भी सुर्खियों में रही। 2008 में होटल ताजमहल मुम्बई में आतंकियों ने हमला बोल दिया था। चारों तरफतड़ातड़ गोलियां चल रही थीं, आतंकवादी धमकियां दे रहे थे। तब ताजमहल होटल के स्टाफने अपनी जान की परवाह किये बिना सैकड़ों लोगों की जानें बचाईं। इनमें होटल के फ्रंट ऑफिस, प्रबंधकीय, किचन और फ्लोर स्टाफ सभी शामिल थे। ऐसी मिसालें औद्योगिक इकाइयों में, भूमिगत कोयला खदानों में भी मिलती हैं। देश की पुलिस चाहे जितनी भी बदनाम हो पर ऐसे किस्से सामने आते रहते हैं जब अदम्य साहस का परिचय देकर कोई एक अधिकारी या सिपाही किसी की जान बचा ले जाता है। दरअसल, सही मायने में देखें तो यही सच्ची वीरता है। शिवाजी, लक्ष्मीबाई, दुर्गावती, नेताजी और उनके जैसे जांबाजों से धरती अटी पड़ी है। ऐसे लोग अपने अपने-स्थान पर वीरता के सर्वोच्च उदाहरण गढ़ रहे हैं। और कायरों की टोलियां झुण्ड बनाकर कभी सरकारी दफ्तरों पर, कभी अस्पतालों पर तो कभी इबादतगाहों और मंदिरों में तोड़फोड़ करती घूमती हैं। साहस की इसी गलत परिभाषा ने लोगों को उनके रास्ते से भटका दिया है। साहस स्थितियों का सामना करने में है। साहस दिल को बड़ा कर लोगों का अपराध क्षमा करने में है। सच्चा साहसी पुरुष धीर, गंभीर और बड़े दिल वाला होता है। कहते हैं बचाने वाला हमेशा मारने वाले से बड़ा होता है। यदि यही एक सीख को हमारे युवा साथी अपने दिल में बैठा लें तो देश से अपराध, आतंक और नफरत का चैप्टर हमेशा के लिए खत्म हो सकता है। जरूरत इस तरह के साहस का यशगान करने की है ताकि लोग कुछ अच्छा करने के लिए प्रेरित हों।

संपादकीय

जो हरा नहीं पाते हैं,वह सपना देखते हैं

जिंदगी और राजनीति में हार-जीत होती रहती है। कोई हारता है तो कोई जीतता है, कोई जीतता है तो कोई हारता है। हर कोई जीवन हो या चुनाव में जीतना चाहता है। जीतता कोई एक है, जीतता भी वही है जो जीतने की पूरी तैयारी करता है। दूसरे लोगों से ज्यादा तैयारी करता है। हारता वही है जो ज्यादा मेहनत नहीं करता है,जो पूरी तैयारी नहीं करता है। बार-बार हारता वही है जो गलतियों से सीखता नहीं है, वही गलती बार-बार करता है इसलिए वह बार-बार हारता है।जो बार-बार हारता है,वह कुंठित हो जाता है। वह अपनी हार तक नहीं स्वीकारता है, वह मानता नहीं है कि वह हार सकता है, वह हार के लिए खुद को दोषी ही मानता है, इसलिए हार के लिए दूसरों को दोषी ठहराता है। वह हर हार के बाद कहता है कि वह हारा नहीं है, उसे तो साजिश करके हराया गया है।

> **इसके लिए वह सामने वाली पार्टी को दोषी ठहराता है कि उसने शासन प्रशासन का दुरुपयोग किया, चुनाव आयोग ने उसे जिताया है, चुनाव आयोग ने उसे जिताने के लिए कई तरह की गड़बड़ी की है।देश में कांग्रेस व विपक्षी दल हर चुनाव के बाद हार के लिए खुद को दोषी नहीं मानते हैं। वह कई तरह के कारण बताते हैं। जनादेश का अपमान करते हैं। जनता के फैसले को स्वीकारते नहीं है। वह मानते ही नहीं है कि जनता उन पर भरोसा नहीं करती है। जनता ने उसे जिताती है जिस पर वह भरोसा करती है। चुनाव में जो जीतता है, माना तो यही जाता है उसे जनता से जिताया है, जनता उसके साथ है इसलिए वह जीता है और हर बार जीत रहा है।**

ऐसे लोग जब एक,दो नहीं तीन तीन चुनाव हार जाते हैं। वह जानते हैं कि पीएम मोदी को वह हरा नहीं सकते। सब मिलकर चुनाव लड़ते हैं तो भी नहीं हरा सकते। ऐसे में कोई आदमी हो कोई संस्था हो वह क्या करती है। वह मोदी को हराने का सपना देखते हैं। वह इच्छा करते हैं, कामना करते हैं कि पीएम मोदी हार जाए। वह सोचते हैं कि कभी तो जनता मोदी को हराएगी तो वह चुनाव जीतेंगे, वह सरकार बनाएंगे। वह सोचते हैं कि आरएसएस पीएम मोदी से नाराज है, वह पीएम मोदी को हटा सकता है।वह पीएम मोदी को अगली बार पीएम नहीं बनने देगा। 75 साल के होने पर भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी सक्रिय राजनीति से रिटायर कर दिए गए थे। मुरली मनोहर जोशी रिटायर कर दिए गए थे। अब नरेंद्र मोदी भी 75 साल से ज्यादा हो गए हैं, इसलिए भाजपा उनको भी रिटायर कर देगी। यह सोच कर ही मोदी विरोधी खुश हो लेते हैं कि वह मोदी को चुनाव में नहीं हरा पा रहे हैं तो क्या हुआ भाजपा ही अब मोदी को रिटायर कर देगी।

मोदी को सक्रिय राजनीति से हटाने की इच्छा इतनी गहरी है कि हर चुनाव में कई विपक्ष के नेता सपना देखते हैं कि इस बार जनता मोदी को हरा देगी। वह बड़े भरोसे के साथ जनता के बीच अपने भाषण के दौरान कहते हैं कि लिख के रख लो इस बार मोदी आने वाला नहीं है। लिख के रख लो इस बार भाजपा को 150 से ज्यादा सीटें नहीं मिलने वाली हैं। हर बार की तरह वह झूठे साबित होते हैं क्योंकि वह जनता से कटे हुए होते हैं। वह जानते ही नहीं है कि जनता मोदी को क्यों चुनती है,जनता उनको क्यों नहीं चुनती है। पीएम मोदी किसी कार्यक्रम में भाग लेने आरएसएस मुख्यालय जाते हैं तो संजय राउत जैसे नेता कल्पना करते हैं कि पीएम मोदी आरएसएस कार्यालय संघ चालक मोहन भागवत को यह बताने आए हैं कि वह अब सक्रिय राजनीति से रिटायर होना चाहते हैं।

कभी उध्दव ठाकरे व संजय राउत सोचते थे कि वह मोदी से बड़े नेता हैं, शिवसेना भाजपा से बड़ी पार्टी है। पीएम मोदी के कारण उनकी पार्टी टूटी, सरकार गिर गई, उध्दव ठाकरे को सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा। आज वह मोदी के कारण महाराष्ट्र की सबसे कमजोर पार्टी हैं, कमजोर नेता है। वह भी राहुल गांधी की तरह पल पल यही चाहते हैं कि मोदी किसी तरह राजनीति से दूर हो जाए तो उनके अच्छे दिन आएं।वह जानते हैं कि जब तक मोदी हैं, उनके अच्छे दिन नहीं आ सकते इसलिए वह आए दिन अफवाह उड़ा कर खुश हो लेते हैं कि संघ मोदी के पास मोदी के उत्तराधिकारी के तौर पर कई नेता हैं। मोदी विरोधी मोदी के उत्तराधिकारी के तौर पर अमित शाह का नाम नहीं लेते हैं। वह कहते हैं कि आरएसएस मोदी के बाद शाह को तो मोदी का उत्तराधिकारी बना नहीं सकता। योगी का पत्ता वह यह कहकर काट देते हैं कि योगी तो आरएसएस के नहीं है, इसलिए आरएसएस योगी को भी मोदी की जगह पीएम नहीं बनाएगा।

वह नाम लेते है नितिन गडकरी का। वह कहते हैं कि संघ तो कब से नितिन गड़करी को ही पीएम बनाना चाहता है। पहले नहीं बना सका अब बनाएगा। नितिन गडकरी के साथ ही अब महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडनवीस का नाम भी मोदी के उत्तराधिकारी के तौर पर लिया जाने लगा है। सीएम फडनवीस जानते हैं कि इससे उनको भविष्य में राजनीतिक रूप से नुकसान हो सकता है, इसलिए उन्होंने पीएम के उत्तराधिकारी के तौर पर महाराष्ट्र में चल रही अटकलों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा है कि पीएम मोदी अभी अगले कई वर्षों तक देश का नेतृत्व करते रहेंगे। उनके उत्तराधिकारी के तलाश करने की अभी कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा है कि हमारी संस्कृति में जब पिता जीवित रहता है तो उसके उत्तराधिकारी की बात नहीं की जाती है।

यह बात भी सच है कि देश में पीएम मोदी के समय के जितने भी नेता है,उनमें पीएम मोदी सबसे ज्यादा फिट हैं और शारीरिक व मानसिक रूप से भी बेहतर हैं। इसलिए उनके खिलाफ विपक्ष के नेता यह प्रचार नहीं कर पा रहे हैं कि अब पीएम मोदी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है, वह नीतीश कुमार की तरह कुछ का कुछ बोलते हैं, किस समय क्या करना है, भूल जाते है।विपक्ष चाहता है कि वह नीतीश कुमार की तरह हो जाएं लेकिन उनके चाहने से न तो मोती चुनाव हारने वाले हैं और न ही नीतीश कुमार जैसे होने वाले हैं। अमित शाह ने तो कह दिया है कि 14 के बाद से 30 साल तक तो नरेंद्र मोदी ही देश के पीएम रहेंगे। इसमें से दस साल हो गए हैं। पीएम मोदी जितने शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ हैं उससे तो ऐसा लगता है कि वह अगले बीस साल तक आसानी से देश व जनता की सेवा कर सकते हैं। यानी विपक्ष अभी 2045 तक मोदी को हराने का सपना देख सकता है। राजनीति से रिटायर होने की कामना कर सकता है।

वक्फ बोर्ड भूमि घोटाले में मुख्य पीड़ित बने मुसलमान

हर्ष रंजन

वक्फ संपत्तियों का आकार

देश में सेना और रेलवे के बाद तीसरी सबसे बड़ी भूमि वक्फ़ की है। भारतीय वक्फ संपत्ति प्रबंधन प्रणाली (वामसी) पोर्टल के मुताबिक भारत में वक्फ संपत्तियों का कुल क्षेत्रफल 37.39 लाखएकड़ से अधिक है। भारत में 28 राज्य और 7 केंद्र शासित प्रदेश हैं, जिनमें से 32 वक्फ़बोर्ड विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में काम करते हैं। कुल 8,72,802 वक्फसंपत्तियों के साथ, भारत में वक्फसंपत्तियों का आकार बहुत बड़ा है। इसके अलावा, 4,02,089 'वक्फ बाय यूजर' हैं, लेकिन उनके लिए कोई उचित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। इतनी बड़ी संपत्ति होने के बावजूद, केवल 1,088 वक्फ डीड पंजीकृत की गई हैंऔर 26,676 निजी वक्फ(वक्फ अल औलाद) संपत्तियां हैं।

भारत में वक्फ का इतिहास और वर्तमान संकट

भारत में वक्फ संपत्तियों का प्रशासन कई विधायी परिवर्तनों के माध्यम से विकसित हुआ है, जिसका उद्देश्य प्रशासन में सुधार और कुप्रबंधन को रोकना है। 1894 में प्रिवी काउंसिल के आदेश के बाद से, मुस्लिम वक्फ अधिनियम संशोधन (1913, 1923, 1930), वक्फअधिनियम 1954 और इसके बाद हुए संशोधनों सहित विभिन्न कानूनों ने वक्फ प्रशासन को आकार दिया है। वक्फ अधिनियम, 1995 ने विनियामक तंत्र को और मजबूत किया, जिसमें 2013 में एक प्रमुख संशोधन ने इसके दायरे का विस्तार किया।

इतना शानदार इतिहास होने के बावजूद, भारत में वक्फ बोर्ड अनियमितताओं और कुप्रबंधन के आरोपों में घिरे हुए हैं। रिपोर्ट बताती हैं कि कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार करते हुए वक्फसंपत्तियों को अक्सर अवैध रूप से बेचा जाता है या निजी संस्थाओं को औने-पौने दामों पर पट्टे पर दे दिया जाता है। बड़े पैमाने पर हुए इस भ्रष्टाचार ने मुस्लिम समुदाय के भीतर बढ़ती अशांति को जन्म दिया है क्योंकि अतिक्रमण, अवैध भूमि लेनदेन और कानूनी विवादों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। हालांकि, भले ही इस समस्या को व्यापक रूप से पहचाना जाता है, लेकिन अधिकांश समुदाय के सदस्य सामाजिक प्रतिक्रिया और साथियों के दबाव के डर से बोलने से बचते हैं।

बड़े पैमाने पर अतिक्रमण और कानूनी विवाद

वक्फ संपत्तियों के एक बड़े हिस्सेपर अतिक्रमण है, जिस कारण कई कानूनी लड़ाइयां हो रही हैं। वामसी पोर्टल के अनुसार, वर्तमान में वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण के 58,890 मामले हैं। वक्फ संपत्तियों से संबंधित कुल मुकदमेबाजी के मामलों की संख्या 31,999 है, जिनमें से 16,140 मामले विशेष रूप से अतिक्रमण से संबंधित हैं। इनमें से 3,165 मामले मुस्लिम याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर किए गए हैं। मुस्लिम समुदाय के कई लोगों का मानना है कि वक्फ बोर्डों में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के चलते भ्रष्ट अधिकारियों और निहित स्वार्थी लोगोंके लिए इन संपत्तियों का दोहन करना संभव हुआ है, जिससे समुदाय को उसके सही संसाधनों से वंचित किया जा रहा है।

बोलने का डर और आंतरिक संघर्ष

इस मुद्दे ने समुदाय के भीतर आंतरिक कलह को जन्म दिया है क्योंकि लोगों को तेजी से एहसास हो रहा है कि वक्फसंपत्तियों का कुप्रबंधन मुख्य रूप से मुसलमानों को नुकसान पहुंचाता है। हालांकि, सामाजिक दबावों के कारण खुलकर आलोचना करना दुर्लभ है। कई सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रमुख मुस्लिम हस्तियों, शिक्षाविदों और विचारकों ने वक्फ कानून सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर बढ़ती लेकिन अव्यक्त आम सहमति को उजागर किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कई समुदाय के प्रभावी लोग धार्मिक और राजनीतिक समूहों से प्रतिक्रियाओं के डर से इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से बोलने में हिचकते हैं।

पूरे भारत में मुकदमेबाजी और शिकायतें

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को पूरे भारत में वक्फसंपत्तियों पर अतिक्रमण के बारे में कई शिकायतें और अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। इन अतिक्रमणों का पैमाना खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जिसमें अक्सर वक्फबोर्ड की प्रत्यक्ष संलिप्तता होती है। विभिन्न शहरों में कई मामले संकट की सीमा को उजागर करते हैं:

भोपाल में सरकारी जमीन पर अवैध रूप से एक वक्फ कॉम्प्लेक्स बनाया गया था और 125 पंजीकृत कब्रिस्तानों में से 101 रहस्यमय तरीके से गायब हो गए हैं। हैदराबाद में अकेले 2021 में अतिक्रमणकारियों को 765 नोटिस जारी किए गए, जबकि भारत के सबसे अमीर लोगों में से एक तेलंगाना के वक्फ बोर्ड के पास 5 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, फिर भी इसकी 75 प्रतिशत जमीन पर अतिक्रमण है। मुंबई में, महाराष्ट्र की 60 प्रतिशत से अधिक वक्फ भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है, परेल में मूल रूप से 72 एकड़ में फैली लाल शाह बाबा दरगाह, अब वक्फ भूमि पर बने आवासीय टावरों से घिरी हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया है कि लखनऊ में वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई 78 प्रतिशत भूमि वास्तव में सरकारी स्वामित्व वाली है और 1989 के सरकारी आदेश को रद्द कर दिया गया है, जिसने अवैध रूप से गैर-खेती योग्य भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में पंजीकृत किया था। पटना में, बिहार सुन्नी वक्फबोर्ड ने हिंदू बहुल गांव गोविंदपुर, फतुहा में भूमि के स्वामित्व का दावा करते हुए एक नोटिस जारी किया, जिससे सात हिंदू परिवार प्रभावित हुए।

वक्फसंशोधन विधेयक 2024 सुधार प्रक्रिया का हिस्सा है

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 सुधार प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके माध्यम से मुसलमानों के साथ अन्याय करने का दावा भ्रामक है, क्योंकि इसका एकमात्र उद्देश्य समुदाय के लाभ के लिए बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना है। मुस्लिम बुद्धिजीवियों और कानूनी विशेषज्ञों का तर्क है कि सामुदायिक संपत्तियों के आगे दुरुपयोग को रोकने के लिए वक्फ बोर्डों को पूरी तरह से बदलना चाहिए। कुछ लोगों का सुझाव है कि वक्फ संपत्तियों को सख्त सरकारी निगरानी के तहत लाया जाना चाहिए, जिसमें निर्णय लेने में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने वाले तंत्र हों। वक्फ मामलों में विशेषज्ञता रखने वाले कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए वक्फ अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता है, क्योंकि सामुदायिक कल्याण के लिए बनाई गई संपत्तियां भ्रष्टाचार और व्यक्तिगत लाभ का साधन नहीं बननी चाहिए।

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 की मुख्य विशेषताएं

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को वक्फ संपत्तियों से जुड़ी लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान के रूप में सराहा जा रहा है। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ बोर्डों के भीतर प्रशासनिक अक्षमताओं को दूर करना है। सबसे बड़ी समस्याओं में से एक रिकॉर्ड को डिजिटल बनाना और उन्हें वामसी पोर्टल पर अपलोड करने में विफलता रही है। संशोधन में यह अनिवार्य किया गया है कि सभी वक्फ संपत्तियों को छह महीने के भीतर ऑनलाइन पंजीकृत किया जाए, ताकि अधिक पारदर्शिता और पहुंच में आसानी सुनिश्चित हो सके।

सरकार का होमवर्क और परामर्श

सरकार ने पिछले आठ वर्षों में मुस्लिम समुदाय के साथ व्यापक परामर्श किया है, जिसमें वक्फ से संबंधित मुद्दों और संभावित सुधारों पर देशव्यापी चर्चाएं शामिल हैं। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, वक्फसंशोधन विधेयक, 2024 पर एक संयुक्त समिति का गठन किया गया, जिसने जनता की प्रतिक्रिया लेने के लिए पूरे भारत में 36 बैठकें कीं। इसके अलावा, समिति को संबंधित नागरिकों से लाखों सुझाव मिले, जिससे संशोधन की आवश्यकता और भी बढ़ गई। विशेष समूहों के दावों के विपरीत कि सरकार विधेयक थोप रही है, वास्तविकता यह है कि प्रस्तावित संशोधन व्यापक परामर्श का परिणाम हैं। विधेयक का प्राथमिक प्रतिरोध मुस्लिम समुदाय के भीतर प्रभावशाली व्यक्तियों से आता है, जो इसे वित्तीय खतरे के रूप में देखते हैं क्योंकि इससे वक्फ संपत्तियों की अवैध बिक्री और अतिक्रमण पर रोक लग जाएगी। हालांकि, आम मुस्लिम आबादी, खासकर मुस्लिम महिलाओं ने यह मानते हुए सरकार की पहल का स्वागत किया हैकि ये सुधार सामुदायिक संपत्तियों का और अधिक शोषण होने से बचाएंगे।

निष्कर्ष :-

वक्फ संपत्ति अनियमितताओं से न केवल वक्फ बोर्डों की प्रशासनिक विफलता का पता चलता है, बल्कि मुस्लिम समुदाय के लिए एक नैतिक दुविधा भी खड़ी हो गई है। जब तक इस भूमि के निष्पक्ष प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए साहसिक कदम नहीं उठाए जाते, तब तक घाटा बढ़ता रहेगा, जिसका असर उन लोगों पर पड़ेगा जो वक्फ संसाधनों पर सबसे अधिक निर्भर हैं। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 एक व्यवस्थित और पारदर्शी समाधान की पेशकश करता है, लेकिन सवाल यह है: क्या समुदाय व्यापक भलाई से जुड़े इन सुधारों का समर्थन करेगाया आंतरिक सत्ता संघर्ष इसकी प्रगति में बाधा डालते रहेंगे।

पर्वत पुरुष ने जीवन-भर अपने दिल से दूसरों के हित को ऊपर समझा

भारत डोगरा

दशरथ मांझी ने जीवन जीने की ऐसी राह दिखाई जो अपने त्याग के बल पर आसपास के सभी लोगों, अपने और अनेक गांवों के लोगों की भलाई पर आधारित थी। पर्वत पुरुष के रूप से पहचान बनाने वाले इस महादलित समुदाय के महापुरुष ने सबसे निर्धन भूमिहीन परिवार में जन्म लेने के बावजूद ऐसे कार्य किए जिनसे आज तक अनेक जाने-माने व्यक्ति तो उनका सम्मान करते ही हैं, राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री और देश के पूर्व प्रधानमंत्री तक उनकी प्रशंसा कर चुके हैं। गांव के मौजूदा मुखिया कहते हैं कि दशरथ मांझी ने वि के मानचित्र पर इस उपेक्षित क्षेत्र की उपस्थिति दर्ज करवा दी।

दशरथ ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने जीवन-भर अपने दिल से दूसरों के हित को ऊपर समझा और व्यापक जन-हित के लिए कुछ करने की ठान ली तो फिर उसके लिए आश्चर्यजनक दृढ़-निश्चय से कार्य किया। गया जिले (बिहार) में स्थित उनके गेहलौर गांव (प्रखंड मोहरा) में एक ऊंचा, विकट पहाड़ है, जिसके कारण सबसे नजदीक के शहर की सुविधाओं, अस्पताल, स्कूल, रोजगार-स्थल से संपर्क नहीं हो पाता था और कोई 15 किमी. की दूरी 55 किमी. के लंबे रास्ते से पार करनी पड़ती थी। इसी पहाड़ पर किसी आजीविका अर्जन के लिए गए दशरथ को खाना-पानी देने उनकी पत्नी फाल्गुनी देवी गई तो विकट पहाड़ पर गिर कर घायल हो गई।

अपने स्वभाव के अनुकूल सबके दर्द को अपनाने वाले दशरथ पत्नी की पीड़ा से कैसे आहत न होते और इसी स्थिति में उन्होंने दृढ़ निश्चय किया कि पहाड़ को तोड़ कर ऐसी राह निकालेंगे जिससे गांववासी दूसरी पार की सुविधाओं तक पंहुच सकें। तभी से हथौड़ा-छेनी लेकर पहाड़ तोड़ने में लग गए और 22 वर्षों तक 1960 से 1982 तक इस काम में लगे रहे और अंत में सफलता प्राप्त की। 26 वर्ष में यह कार्य आरंभ कर 48 वर्ष की आयु में पूर्ण किया। पहले तो आसपास के लोगों ने उनका मजाक उड़ाया पर जैसे-जैसे वे सफलता के नजदीक पहुंचे तो उन्होंने कुछ सहायता भी की। सफलता मिलने के बाद दशरथ मांझी के बनाए रास्ते को सरकार ने कुछ और चौड़ा कर दिया और धीरे-धीरे यह सामान्य सड़क बन गई।

दशरथ मांझी के कार्य को समझने के लिए जरूरी है कि वे संत कबीर के प्रति बहुत आस्थावान थे। उनके विचारों से प्रेरित वे दूसरों की भलाई के लिए प्रयासरत रहे। जब यह लेखक उन्हें जानने-पहचानने वाले कुछ आसपास के गांववासियों से मिला, तो उन्होंने बताया कि वे मीठी भाषा बोलते थे पर इसमें कभी-कभी कठोर सच्चाई भी कह जाते थे। इन लोगों ने बताया कि वे जब वहां से गुजरते तो हथौड़े-छेनी से पहाड़ तोड़ने के काम में मांझी को तल्लीन देखते। इसके साथ-साथ वे मजदूरी कर अपने चार सदस्यों के परिवार का भरण-पोषण भी करते थे। अपनी जरूरतों को न्यूनतम रखते थे। भूख-प्यास दूर रखने के लिए खिचड़ी और सत्तू उन्हें प्रिय थे। सत्तू तथा पानी साथ रखते थे। पहाड़ में राह निकालने की सफलता प्राप्त करने के बाद भी वे गांववासियों की भलाई के लिए सक्रिय रहे और रेल पटरी के किनारे चल कर दिल्ली पहुंच गए।

उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से मिले, और बाद में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिले। बहुत बड़े नेताओं का सम्मान उन्हें मिला। वर्ष 2007 में दिल्ली के एम्स अस्पताल में मृत्यु होने पर उनके गांव में उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान से हुआ, उनकी समाधि बनाई गई, उनकी याद में प्रवेश द्वार बनाए गए। पर हाल में यह लेखक जब गेहलौर पंचायत की सबसे निर्धन बस्तियों में गया और मांझी समुदाय के अनेक परिवारों से बातचीत की तो उसने देखा-सुना कि ये परिवार दूर-दूर की ईट-भट्ठों में प्रवासी मजदूर के रूप में जाते हैं।

शोषण की स्थिति में प्रवासी मजदूरी करने को मजबूर हैं क्योंकि स्थानीय स्तर पर रोजगार बहुत ही कम हैं। पेयजल का घोर संकट भी उनकी बस्तियों में है। कुछ बस्तियों के लोगों को पुराने जमींदारों के वंशज यह कह कर धमकाते हैं कि यह उनकी जमीन है। यहां से हट जाओ और उनसे पैसा वसूलते हैं। ऐसे अनेक महादलित परिवारों को वन-विभाग हटने को कहता है। हाईवे चौड़ा होने से विस्थापन का खतरा है और सबसे निर्धन परिवारों को डर है कि सभी कागज-पत्र न होने पर उन्हें ठीक से अन्य स्थान पर बसाया नहीं जाएगा। बिजली के भारी बिल कुछ परिवारों को भेजे गए हैं। कुल मिला कर ऐसे अनेक परिवारों, जो नाती-रिश्तेदारी में दशरथ मांझी से जुड़े हैं, से बातचीत करने पर स्पष्ट हुआ कि वे बहुत कठिन स्थिति में जी रहे हैं और यह स्थिति आगे और भी विकट हो सकती है।

दूसरी ओर, इस विकट स्थिति के बीच राहत दिलवाने का कार्य इस पंचायत में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की सम्मान परियोजना के अंतर्गत किया गया है। इसका क्रियान्वयन सहभागी शिक्षण केंद्र के कर्मठ कार्यकर्ताओं की सहायता से किया गया है। इसके अंतर्गत बकरी-पालन और सिलाई प्रशिक्षण देकर रोजगारों को बढ़ाने, मातृत्व सुरक्षा, स्कूलों और आंगनवाड़ी के सुधार, स्कूल-पूर्व शिक्षा के विस्तार, प्रकाश और पानी की कुछ स्थानों पर बेहतर व्यवस्था, पोषण और स्वास्थ्य सुधार के महत्त्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। दशरथ मांझी स्वास्थ्य और शिक्षा सुधार के लिए और बेहतर आजीविकाओं के लिए प्रतिबद्ध रहे और यह कार्य उनकी चाह के अनुसार है। कम समय में ही इस परियोजना ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की और निर्धन परिवारों सहित गांव समुदाय का विास भी प्राप्त किया। यह 18 महीने की परियोजना है और इसे और इसके कायरे को बढ़ाने, समुदाय से और व्यापक और दीर्घकालीन संबंध बनाने की जरूरत है।

जहां इन सभी सहायता-कायरे की सफलता को और बढ़ाना चाहिए वहां निर्धन परिवारों, दलित और महादलित परिवारों की कुछ अधिक गंभीर समस्याओं पर अधिक ध्यान देने और विशेषकर उनके आवास भूमि-अधिकारों को अधिक सुरक्षित करने की आवश्यकता है। जहां एक ओर ये परिवार कृषि भूमि से वंचित हैं, वहां दूसरी ओर यदि इनके आवास-भूमि अधिकार भी पक्के नहीं किए जाएंगे, तो इससे परिवारों का दुख-दर्द बहुत बढ़ जाएगा और यह दशरथ मांझी के विचारों और विरासत के बहुत प्रतिकूल होगा।

दशरथ ने पूरे गांव की भलाई के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, उनकी समाधि बनाई गई और मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री स्तर पर उनके कार्य को मान्यता मिली। इस सबके बावजूद उनके मांझी समुदाय को आज भी दूर-दूर के ईट-भट्ठों में शोषण सहना पड़ता है और उनके आवास भूमि अधिकार तक पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं तो यह सभी की चिंता का विषय होना चाहिए। दशरथ मांझी को अपने सभी गांववासियों और आसपास के गांवों के लोगों के हितों की चिंता थी और उन्होंने पर्वत काट कर भी उनके लिए रास्ता बना दिया। आज समाज की व्यापक जिम्मेदारी है कि उनके जैसे निर्धन परिवारों की रक्षा करे। सम्मान परियोजना ने इस सोच को आगे बढ़ाया है-शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका रक्षा के कायरे को आगे बढ़ा कर। अब इस पहल को और व्यापक करना जरूरी है ताकि यहां के निर्धन परिवारों को अधिक व्यापक और दीर्घकालीन सहायता और राहत मिल सके।

मोदी सरकार की ऐतिहासिक पहल

केंद्र सरकार ने एक महत्त्वपूर्ण फैसला के तहत एल्युमीनियम फॉयल सहित पांच चीनी वस्तुओं पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाया है। बताया जा रहा है कि यह निर्णय घरेलू उद्योगों को चीन से सस्ते आयात के निगेटिव असर से बचाने के लिए की गई है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डीजीटीआर (व्यापार उपचार महानिदेशालय) की सिफारिश के आधार पर व्यापार कार्रवाई की गई है। डीजीटीआर डंपिंग और सब्सिडी जैसे मामलों की जांच करती है।

दरअसल, एंटी-डंपिंग ड्यूटी आयातित वस्तुओं पर लगाए जाने वाले टैक्स हैं, जो उनके निर्यात मूल्य और उनके सामान्य मूल्य के बीच के अंतर की भरपाई के लिए लगाए जाते हैं, अगर डंपिंग के कारण आयात करने वाले देश में प्रतिस्पर्धी उत्पादों के उत्पादकों को नुकसान होता है।

केंद्र सरकार के संज्ञान में यह बात लंबे अरसे से थी कि चीन भारत के घरेलू उद्योग को बर्बाद करने की साजिश में लगा हुआ है। आखिरकार सरकार को यह कदम उठाना पड़ा। स्वाभाविक तौर पर सरकार के इस फैसले से भारतीय उद्योगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

सरकार को भी यह भरोसा है कि ऐसी सख्ती से भारतीय उद्योगों को मदद मिलेगी। इससे वे चीन से आने वाले सस्ते आयात से मुकाबला कर पाएंगे। भारत ने पहले ही चीन सहित विभिन्न देशों से सस्ते आयात से निपटने के लिए कई उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है। इन सब तथ्यों से इतना तो साफ होता है कि चीन की नीयत में खोट है।

वह भारत से मिलने वाली तमाम रियायतों और सुविधाओं को दरकिनार कर उसी का नुकसान पहुंचाने की जुगत में लगी रहती है। हो सकता है इस कदम के बाद चीन इस बात की संवेदनशीलता को समझेगा। ऐसे भी भारत के बाजार पर चीन के सामानों की बहुतायत है।

कोई भी त्योहार मसलन दीपावली हो या होली; चीन किफायती कीमत के उत्पाद भारत में भेजता है। उसके इस कदम से भारत में काम कर रहीं कंपनियों की सेहत पर काफी बुरा प्रभाव पड़ता है। निश्चित तौर पर केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के फैसले की सराहना की जानी चाहिए।

घरेलू उद्योगों को जीवनदान देने के लिए यह एहतियाती कदम उठाना लाजिमी था। इस बात में कोई शक नहीं कि चीन सिर्फ अपना फायदा देखता है। उसके शब्दकोष में न तो संवेदना की जगह है और न नैतिकता की। इस नाते मोदी सरकार की यह पहल ऐतिहासिक मानी जाएगी।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

एसएमएस-3 बिरादरी ने सातवीं वर्षगांठ का मनाया जश्न

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप–3 बिरादरी ने स्थापना दिवस की सातवीं वर्षगांठ का उत्सव मनाया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष एवं मुख्य महाप्रबंधक प्रमोद कुमार सहित अन्य अनुभागप्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे। विदित हो कि मॉडेक्स इकाई, स्टील मेल्टिंग शॉप–3 को 31 मार्च, 2018 से उत्पादन प्रक्रिया में शामिल किया गया था, रात्रि पाली के दौरान 1:40 बजे कनवर्टर–1 को हॉट मेटल से चार्ज किया गया और सुबह 4:40 बजे स्टील की सफ्लतापूर्वक टैपिंग की गई। इस उपलब्धि के बाद, सितंबर 2018 और फ्रवरी 2020 में क्रमषः दो अतिरिक्त कन्वर्टर को एसएमएस–3 में शामिल किया गया। इन कन्वर्टरों के परिचालन से मिल की क्षमता में वृद्धि सुनिष्चित हुई। एसएमएस–3 ने 660 दिनों में 1 मिलियन टन इस्पात उत्पादन हासिल किया था। टीम एसएसमएस–3 ने उत्पादन में आने वाली चुनौतियों को अपने मेहनत, लगन और अथक प्रयास से दूर किया। मिल बिरादरी के समर्पित टीमवर्क और सभी संबद्ध विभागों के सहयोग से वर्तमान में केवल 96 दिन में 1 मिलियन टन स्टील उत्पादन की सफ्लता प्राप्त हुई है। एसएमएस–3 बिरादरी के उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता देने तथा उसकी सराहना करने के लिए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा ठेका श्रमिकों को प्रोत्साहन स्वरूप टी–शर्ट एवं महिला कर्मचारियों को एप्रॉन प्रदान किया गया।

श्रीमद् भगवत गीता में मनुष्य की हर समस्या का समाधान निहित है : आचार्य नीलेश शर्मा

भिलाई। देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई द्वारा परमेश्वरी मंदिर प्रगति नगर रिसाली में चल रहे श्रीमद् देवी भागवत पुराण कथा के तीसरे दिन मंगलवार को कथा व्यास आचार्य डॉ नीलेश शर्मा जी ने श्रीकृष्ण चरित्र, देवी उत्पत्ति कथा, ब्रम्हांड की रचना एवं मां ब्रह्मचारिणी कथा का विस्तार से वर्णन किया। कथा के आरंभ में मुख्य यजमान देवांगन जन कल्याण समिति के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन एवं उनकी पत्नी सुमन देवांगन तथा अन्य पदाधिकारियों ने माता परमेश्वरी की विधिवत पूजा अर्चना की तथा कथा व्यास आचार्य डॉ नीलेश शर्मा महाराज एवं पारायणकर्ता पंडितों का पुष्पाहार से स्वागत किया।

आचार्य नीलेश शर्मा ने अपने प्रवचन में कहा कि श्रीमद् भगवत गीता में मनुष्य की हर समस्या का समाधान निहित है। भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता का ज्ञान आज भी प्रासंगिक है। इसलिए हर व्यक्ति को गीता पढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि माता भगवती परमेश्वरी ही आदि शक्ति और पूर्ण ब्रह्म है। स्त्री–पुरुष एवं सभी जीवों की रचना कर सृष्टि की उत्पत्ति एवं संचालन कर्ता मां भगवती ही है। उसी ने त्रिदेव ब्रम्हा, विष्णु एवं शिव की रचना कर सृष्टि का जन्म, पालन एवं कल्याण (संहार) का चक्र बनाया।

राज्यपाल ने दुर्ग के प्रशासनिक अधिकारियों की ली बैठक

शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल रमेन डेका ने दुर्ग जिला प्रवास के दौरान मंगलवार को लोक निर्माण विभाग के सभाकक्ष में प्रशासनिक अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभिन्न प्रशासनिक मुद्दों पर ठोस दिशा–निर्देश दिए, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, जल संरक्षण और स्व सहायता समूहों को सशक्त बनाने की दिशा में प्रयासों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने शासकीय योजनाओं का लाभ उठा रहे लाभान्वित हितग्राहियों से चर्चा की और उनसे प्राप्त हो रही आमदनी के बारे में जानकारी प्राप्त की।

राज्यपाल रमेन डेका ने हरियाली को बनाए रखने व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जिले में अधिक से अधिक पेड़–पौधे लगाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण के लिए फायदेमंद नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक उपहार साबित हो सकता है। यह हमारी ज़िम्मेदारी बनती है कि पर्यावरण की रक्षा के लिए अधिक से अधिक पेड़–पौधे लगाएँ और उनका संरक्षण करें। उन्होंने वनमण्डाधिकारी चंद्रशेखर परदेशी को एक पेड़ मां के नाम के तहत अभियान चलाकर प्रत्येक खाली स्थानों में पेड़–पौधे लगाकर उनका संरक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने हर किसी को अपने आसपास के क्षेत्रों में पेड़ लगाने को कहा, ताकि अपने पर्यावरण को बचा सकें। राज्यपाल ने लोगों को अपने घरों के बगीचों में स्कूल, कॉलेज, शासकीय कार्यालयों एवं अन्य खाली स्थानों में वृक्षारोपण करने को कहा।

राज्यपाल श्री डेका ने जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और पुलिस प्रशासन को प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने यातायात नियमों के पालन में सख्ती बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया। आम जनता के हित के लिए वाहन चलाते समय हेलमेट, सीट बेल्ट एवं बिना नशा पान किए वाहन चलाते हुए यातायात नियमों का पालन कराने को कहा। उन्होंने वाहन चलाते समय लापरवाही नहीं बरतने पर जोर दिया। आम जनता को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने विशेष अभियान चलाने निर्देश दिए और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने को कहा।

राज्यपाल डेका ने नशा मुक्ति के लिए विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन पर जोर दते हुए कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुका है, जो व्यक्तियों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है। उन्होंने नशा मुक्ति के लिए सरकारी एवं गैर–सरकारी संगठनों पर नशा मुक्ति अभियान चलाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने कहा कि विशेष अभियानों के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जा सकता है। नशीले पदार्थों का अन्य राज्यों से अवैध रूप से आने वाले गांजा, चरस, कोकीन पर रोक लगाने की जरूरत है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को इस दिशा में सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

राज्यपाल डेका ने जल संरक्षण की दिशा में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की प्रणाली के अलावा अधिकारियों से तालाबों, नदियों और जलाशयों में जल संचयन के उपायों पर ध्यान देने को कहा। रेन वाटर हार्वेस्टिंग से जल की बचत के साथ–साथ भूमि की जलवायु को भी बेहतर बनाया जा सकता है। साथ ही अमृत सरोवर, जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यों के माध्यम से पेयजलापूर्ति और जल स्तर ऊपर उठाने की दिशा में कार्य करने हेतु निर्देशित किया। राज्यपाल ने स्व सहायता समूहों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने पर बल दिया। उन्होंने इन समूहों को स्टार्टअप योजनाओं से जोड़ने और उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करने की आवश्यक पहल करने को कहा। इस प्रयास से स्व सहायता समूह अपने व्यवसायों को बढ़ावा दे सकेंगे और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकते हैं। राज्यपाल ने लोगों को सरकार की मुद्रा लोन योजना से भी जोड़ कर लाभान्वित करने कहा। इसी प्रकार विभिन्न योजनाओं से जुड़े सहकारिता से संबंधित समितियों के सदस्यों को अंतर जिला एवं अंतर प्रदेश भ्रमण करा कर कार्य दक्षता बढ़ायी जाए। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने दुर्ग जिले की संक्षिप्त जानकारी के साथ जिले में क्रियान्वित योजनाओं और उपलब्धियों के संबंध में राज्यपाल को अवगत कराया। बैठक में संभाग आयुक्त एसएन राठौर, पुलिस महानिरीक्षक आरजी गर्ग, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, जिला पंचायत के सीईओ बजरंग दुबे सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी और विभिन्न योजनाओं के लाभान्वित हितग्राही उपस्थित थे।

निगम के नवनियुक्त महापौर परिषद के 11 सदस्यों ने श्रीगणेश की पूजा-अर्चना कर पदभार ग्रहण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) में नवनियुक्त सदस्य देवनारायण चन्द्राकर,नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्राकर,काशीराम कोसरे,मनीष साहू, नीलेश अग्रवाल,ज्ञानेश्वर ताम्रकर, लीलाधर पाल,शिव नायक,श्रीमती शशि साहू, हर्षिका संभव जैन ने निगम मुख्यालय भवन सभागार के नीचे एमआईसी भवन में पूज्य देव श्रीगणेश की पूजा ङ्क अर्चना कर उनसे शुभाशीष देने बप्पा के दिव्य श्री चरणों में विनम्र प्रार्थना कर नगर निगम एमआईसी आबंटित कक्ष में श्री गणपति पूजन कर पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण और सुमधुर शंख ध्वनि सहित फ्टाकों और बैंड बाजों की गूंज के मध्य अपना पदभार संभाल लिया.

महापौर श्रीमती अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा,जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, संजय बघेल सहित नव निर्वाचित वार्ड पार्षदगणों, पूर्व पार्षदगणों, विशिष्टजनों,गणमान्यजनों,आमजनों, महिलाओं,नवयुवकों, नगर निगम अधिकारियों,कर्मचारियों ने नवनियुक्त एमआईसी सदस्ययो को पदभार संभालने पर बुके प्रदत्त कर और फूलमालाओं से लादकर हार्दिक बधाई और शुभकामनायें दीं इस अवसर पर महापौर अल्का बाघमार ने सभी एमई सी सदस्यो को शहर विकास के लिए अपने अपने विभागों में सक्रियता से कार्य करने की शुभकामना दिया महापौर ने सभी एमआईसी सदस्यों को निर्देशित किया कि शहर में विकास कार्यो में कसावट लाने को कहा।

बता दे कि महापौर परिषद के एक और सदस्य जलकार्य प्रभारी श्रीमती लीना दिनेश देवांगन जिनका कार्यालाय जलग्रह पानी टंकी के नीचे होने के कारण 3 अप्रैल को अपना कार्यभार करेंगे। महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने सभी सदस्यों के साथ एकजुट होकर शहर का विकास करने की बात कही।

महिला सशक्तिकरण के लिए दुर्ग की करुणा यादव राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन और महिला सम्मान समारोह का आयोजन नोएडा उत्तरप्रदेश में किया गया। अधिवेशन में भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों से यादव मातृशक्तियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। अधिवेशन में छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला में पिछले 10 वर्षों से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाली मातृशक्ति श्रीमती करूणा यादव अध्यक्ष गोपिका दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित दुर्ग व छत्तीसगढ़ यादवों के प्रथम ट्रस्ट श्री कृष्णा भगवान मंदिर अहीर समाज रायपुरा ट्रस्ट की अध्यक्ष शामिल हुई। वे अधिवेशन में छत्तीसगढ़ी परिधान में पहुंची और अन्य प्रदेश की यादव महिलाओं के लिए रोल मॉडल बनी। मातृशक्ति सम्मान से सम्मानित करुणा यादव अशिक्षित,गरीब, बेरोजगार यादव महिलाओं को दुर्ग शहर में संगठित कर स्वरोजगार का अवसर प्रदान करवाने के लिए पैतृक व पारंपरिक व्यवसाय दुग्ध उत्पादक करने को प्रेरित किया और 2012 में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. हेमचंद यादव के संरक्षण में गोपिका दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित दुर्ग जिला दुर्ग का गठन कर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह सिंह के कार्यकाल में 50प्रतिशत सब्सिडी पर दुर्ग शहर व दुर्ग जिला के गोपालकों व यादवों को 12 लाख रुपए की सौगात दिलाई,जहां पर यादव महिलाओं की भागीदारी अधिक थी,वहां वर्तमान में प्रतिमाह 15 से 25 हजार रुपए आज भी दुग्ध, महिलाएं आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो रही हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 में भिलाई इस्पात संयंत्र ने उत्पादन के अनेक कीर्तिमान दर्ज किए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र ने तकनीकी आर्थिक सूचकांकों के साथ उत्पादन के लगभग सभी क्षेत्रों में श्रेष्ठ निष्पादन करते हुए रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया है। वित्त वर्ष 2024–25 में संयंत्र के लगभग सभी प्रमुख उत्पादन इकाइयों ने सर्वश्रेष्ठ अप्रैल–मार्च 2025 का रिकॉर्ड दर्ज किया है और इसके साथ ही संयंत्र के ओर हैंडलिंग प्लांट (ओएचपी), सिंटर प्लांट, ब्लास्ट फर्नेस–8 से हॉट मेटल का उत्पादन, एसएमएस–3 से ब्लूम उत्पादन के साथ तकनीकी सूचकांक के क्षेत्र में ब्लास्ट फर्नेस उत्पादकता और कुल मेटलिक चार्ज में शानदार निष्पादन दर्ज करते हुए अब तक का सर्वश्रेष्ठ मासिक कीर्तिमान दर्ज किया है। इसके साथ ही संयंत्र के सिंटर प्लांट–3, एसएमएस–3, प्लेट मिल और तकनीकी सूचकांक के क्षेत्र के कई बिन्दुओं पर सर्वश्रेष्ठ मार्च माह का रिकॉर्ड दर्ज कराया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र के उत्पादन की उपलब्धियों के लिए बधाई देने और नए वित्त वर्ष के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए संयंत्र प्रबंधन निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता के नेतृत्व में आज 01 अप्रैल को संयंत्र के विभिन्न विभागों में जाकर इस्पात बिरादरी को बधाई दी।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने बीते वित्त वर्ष 2024–25 में श्रेष्ठ निष्पादन करते हुए उल्लेखनीय उत्पादन कीर्तिमान दर्ज किया है। संयंत्र के ओर हैंडलिंग प्लांट ने कुल 21,30,919 टन मटेरियल हैडलिंग करते हुए मार्च 2024 के 20,97,476 टन के पिछले रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए अब तक का सर्वश्रेष्ठ कीर्तिमान दर्ज किया है। इसी तरह संयंत्र के सिंटर प्लांट ने कुल 7,96,304 टन सिंटर उत्पादन कर जनवरी 2024 में दर्ज 7,90,112 टन के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस–8 ने बीते वित्त वर्ष में अनेक उपलब्धियां दर्ज की है। अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए ब्लास्ट फर्नेस–8 ने 2,66,214 टन हॉट मेटल का उत्पादन दर्ज किया है जो जनवरी 2025 के 2,53,460 टन से अधिक है। इसी तरह एसएसएस–3 ने 1,33,454 टन ब्लूम उत्पादन करते हुए मार्च 2023 के 1,28,487 टन के पुराने रिकॉर्ड को पार किया है।

शानदार तकनीकी सूचकांक

तकनीकी सूचकांकों के क्षेत्र में संयंत्र ने वित्त वर्ष 2024–25 में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है। संयंत्र ने 2.18 टन क्यूबिक मीटर प्रतिदिन की सर्वश्रेष्ठ ब्लास्ट फर्नेस उत्पादकता दर्ज की, जो फ्रवरी 2025 की 2.04 टन की उत्पादकता से काफी अधिक है। इसी तरह एसएमएस–2 ने कुल मेटलिक चार्ज 1,104.80 किलोग्राम प्राप्त किया है जो फ्रवरी 2025 के 1,104.89 से बेहतर है।

सर्वश्रेष्ठ मार्च माह

भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट–3 ने वित्त वर्ष 2024–25 के अन्तिम महीने मार्च 2025 में 5,46,870 टन सिंटर का उत्पादन दर्ज करते हुए मार्च 2023 के 5,38,095 टन को पीछे छोड़ दिया है। इसी तरह स्टील मेल्टिंग शॉप–3 ने कास्ट स्टील के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है।

नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत पर निदेशक प्रभारी ने संयंत्र भ्रमण कर इस्पात बिरादरी का बढ़ाया हौसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र ने पिछले वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान कई क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ निष्पादन, कुछ क्षेत्रों में मार्च माह का श्रेष्ठ निष्पादन और कुछ अन्य क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ वार्षिक निष्पादन शानदार रूप से दर्ज किया है। संयंत्र की इस उपलब्धि के लिए और नए वित्त वर्ष 2025–26 में नए लक्ष्यों के साथ सामने खड़ी कड़ी प्रतिस्पर्धा से मुकाबला करने इस्पात बिरादरी को प्रोत्साहित करने के लिए संयंत्र प्रबंधन ने निदेषक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता के नेतृत्व में आज 01 अप्रैल 2025 को भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात कर बधाई दी और उनका हौसला बढ़ाया।

इस्पात बिरादरी को नए वित्त वर्ष में बधाई और शुभकामनाएं देने की शुरूआत इस्पात भवन प्रांगण से की गई। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी श्री दासगुप्ता के साथ सभी कार्यपालक निदेषकगण और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इसी कड़ी में इस्पात भवन स्थित निदेषक प्रभारी सभागार में सेल अध्यक्ष और सेल के निदेषकों के साथ विडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद निदेषक प्रभारी एवं कार्यपालक निदेषकगण सिंटर भवन पहुंचे, वहां सिंटर प्लांट, ओएचपी, एलडीसीपी बिरादरी के सदस्यों से मुलाकात की और उनको शुभकामनाएं दी। इसके बाद कोक ओवन के सदस्यों के साथ वेलफेयर बिल्डिंग–4, प्लेट मिल, स्टील मेल्टिंग शॉप–2, आरईडी, एसआरएम के सदस्यों के साथ वेलफेयर बिल्डिंग–26 में, सेवाएं व सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के सदस्यों से संयंत्र भवन में, ब्लास्ट फर्नेस, पी एंड बीएस विभाग, पर्यावरण प्रबंधन विभाग, आई एंड ए विभाग के सदस्यों से वेलफेयर बिल्डिंग–08 में, स्टील मेल्टिंग शॉप–3 एवं आरसीएल विभाग बिरादरी के सदस्यों से वेलफेयर बिल्डिंग–05 में, रखरखाव एवं उपयोगिताएँ विभाग (एम एंड यू) व सीपीएस के सदस्यों से वेलफेयर बिल्डिंग–02 तथा यूनिवर्सल रेल मिल, रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल और आरटीएस विभाग, मर्चेंट एंड वायर रॉड मिल, बार एंड रॉड मिल के सदस्यों के साथ मुलाकात की और उन्हें बीते वित्त वर्ष के श्रेष्ठ निष्पादन के लिए बधाई देते हुए उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने शुरू हुए वित्त वर्ष के महत्वांकाक्षी लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि मुझे पूरा विष्वास है कि आप सभी इन लक्ष्यों को भी हासिल करके अपनी श्रेष्ठता को साबित करेंगे। श्री अनिर्बान दासगुप्ता ने बाजार की चुनौतीपूर्ण स्थिति, ग्रीन स्टील और वर्ष 2030 के लक्ष्यों की चर्चा करते हुए इस्पात बिरादरी से कहा कि आप सभी को और बेहतर प्रदर्षन करने की आवष्यकता है। हम प्रतिस्पर्धा में तभी बने रहे पाएंगे, जब हम अपने में निरंतर सुधार कर पाएंगे। उपस्थित सभी कार्यपालक निदेशकों ने भी संयंत्र बिरादरी के सदस्यों को बधाई दी और अपने प्रेरक विचारों से भिलाई बिरादरी को बेहतर प्रदर्षन के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यपालक निदेशकों ने सभी विभागों के कर्मचारियों को वर्तमान वित्तीय वर्ष में बेहतर उपलब्धि हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दी।

निदेषक प्रभारी, इस्पात बिरादरी को श्रेष्ठ निष्पादन के लिए बधाई देने और महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु शुरू से प्रयास करने और नए उत्पादन कीर्तिमान बनाने प्रेरित करने के लिए प्रतिवर्ष संयंत्र के विभिन्न विभाग जाते है और अधिकारियों व कर्मचारियों से रूबरू होकर चर्चा करते है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, सरोना में स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर

रायपुर। जेसीआई उमंग और एनजीओ बेटर भारत द्वारा स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या आकर लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई और रक्तदान किया।

रक्तदान अभियान के तहत शिविर में आये लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया जससे 39 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया इससे जरूरतमंद मरीजों को जीवन रक्षक सहायता मिलेगी। रक्तदान से एनीमिया, थैलेसीमिया और आपातकालीन स्थितियों में पीड़ित लोगों की जान बचाई जा सकती है। रक्तदान के साथ-साथ शिविर में आये लोगों का दंत जांच, बालों की जांच, ब्लड प्रेशर और शुगर और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण निःशुल्क किया गया।शिविर लोगों को होम्योपैथिक परामर्श भी दिया गया। एनजीओ बेटर भारत लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यह संगठन विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों, चिकित्सा सहायता कार्यक्रमों और मुफ्त शिविरों का आयोजन कर समाज में स्वास्थ्य सुधार के लिए कार्यरत है। इस आयोजन में स्थानीय नागरिकों, डॉक्टरों और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सा पेशेवरों और स्वयंसेवकों को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

जेसीआई उमंग और एनजीओ बेटर भारत निकट भविष्य में इसी तरह के स्वास्थ्य शिविर और जागरूकता अभियानों का आयोजन करेंगे ताकि समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाया जा सके।बेटर भारत एक प्रतिष्ठित गैर-लाभकारी संगठन है, जो स्वास्थ्य, चिकित्सा सहायता और जनजागरूकता के क्षेत्र में कार्य करता है। इसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाना है।

खारून नदी किनारे हुई खुदाई, चौदहवीं शताब्दी के पुरातत्व अवशेष मिले

रायपुर। राजधानी रायपुर के रायपुरा डीपरापारा इलाके में खारून नदी के किनारे खुदाई के दौरान छठी से चौदहवीं शताब्दी के पुरातत्व अवशेष मिले हैं। यह खोज बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यहां से सिल्लबट्टा, धान कूटने का बहाना, मिट्टी के बर्तन और बड़े पत्थरों से बने मूसल जैसे ऐतिहासिक सामान बरामद किए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थान प्राचीन रायपुर का असली केंद्र हो सकता है जहां कभी बाजार भी लगता होगा। यहां से मिले कुछ अवशेष सिरपुर की खुदाई में मिले अवशेषों से मेल खाते हैं जो इस स्थान के ऐतिहासिक महत्व को और मजबूत करता है। यह अवशेष तब सामने आए जब निजी जमीन के मालिक ने ट्रैक्टर और मशीनों से जमीन समतल करने का काम शुरू किया। खुदाई के दौरान जब बड़ी संख्या में ऐतिहासिक अवशेष मिले, तो कुछ ड्राइवरों ने इन्हें किनारे रख दिया लेकिन जमीन मालिक ने प्रशासन और पुरातत्व विभाग को सूचना नहीं दी। जब स्थानीय लोगों और मीडिया के माध्यम से यह खबर फैली, तब जाकर पुरातत्व विभाग को इसकी जानकारी मिली।

राजधानी रायपुर में चौपाटी निर्माण के खिलाफ एकजुट हुए नागरिक

निकाली रैली, बैठक लेकर जताया विरोध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के दानी गर्ल्स स्कूल व डिग्री गर्ल्स कॉलेज मार्ग में बनाई जा रही चौपाटी का कई सालों से शहर के नागरिक और विभिन्न संगठन विरोध करते आ रहे हैं। पिछले दिनो महापौर श्रीमती मीनल चौबे द्वारा काम बंद करने के आदेश दिए गए थे, फिर भी रसूखदार लोगों के संरक्षण में चौपाटी का निर्माण लगातार जारी है।

इसके विरोध में धरना की अनुमति मांगी गई थी पर नहीं मिलने पर नागरिकों ने रविवार को एक रैली निकाली और बैठक लेकर अपना विरोध प्रदर्शित किया। यह भी तय हुआ कि हर हाल में यह निर्माण रोकेंगे, हमारी बेटियों की सुरक्षा से बढ़कर नहीं है चौपाटी का निर्माण और न ही पर्यावरणीय नियमों उल्लंघन होने देंगे। सत्यमेव जयते फाउंडेशन के प्रदेश संयोजक कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि यह जानना जरूरी है कि किसके इशारे पर यहां काम नहीं रूक रहा है जबकि सभी इसके विरोध में हैं। शहर के नागरिक अब और ज्यादा संख्या में लामबंद हो चुके हैं इसलिए सभी ने मिलकर अपना विरोध प्रदर्शित किया।

वरिष्ठ चिकित्सक व स्थानीय वार्ड के नागरिक डॉ. अजीत आनंद डेग्वेकर ने उपस्थित लोगों को ये बताया कि चौपाटी बनाए जाने से तालाब, वेटलैंड एवं पर्यावरण को किस प्रकार नुकसान पहुंचेगा। निर्माण पूरी तरह से इन नियमो के विरुद्ध है। बुढ़ापारा के वरिष्ठ नागरिक दीपक शर्मा ने चौपाटी की छत से दानी गर्ल्स स्कूल के बाथरूम एवं हॉस्टल नजर आने से बहन बेटियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए।वरिष्ठ नागरिक चंद्रशेखर गायकवाड ने जरूरत होने पर यह लड़ाई कोर्ट तक ले जाने की बात कही। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता अनुभव चरण शुक्ल ने नागरिकों को पर्यावरण सुरक्षा का अपना मूल कर्तव्य याद दिलाया। ग्रीन आर्मी रायपुर के अध्यक्ष गुरमीत टुटेजा ने विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के संतुलन पर जोर दिया। इस मौके पर सत्यमेव जयते फाउंडेशन, हर की पौड़ी ग्रुप, पूर्व सभापति प्रमोद दुबे, छाया पार्षद राहुल तिवारी, मोहन वर्ल्यानी, सुनील बंसल, आकांक्षा शुक्ला, गोलू नायक, संयम अग्रवाल, शरद गुप्ता, मनोज पाल, शंकर सिंह, सुशील बरोरे ,प्रतीक तिवारी, सागर वाकडे, अभिषेक कसार, राजेंद्र जैन, सुरेश बाफना एवं शहर के नागरिक मौजूद रहे।

लोकमाता अहिल्यादेवी के जीवन चरित्र को आत्मसात करना होगा-चक्रधर

अहिल्या देवी होल्कर त्रिशताब्दी जयंती समारोह का हुआ समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकमाता अहिल्यादेवी होल्कर त्रिशताब्दी जयंती समारोह आयोजन समिति छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा सोमवार को रायपुर स्थित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह श्री रामदत्त चक्रधर ने कहा हमारे देश ने समय-समय पर कई प्रतिकूलताओं का सामना करते हुए भी कई गौरवशाली कीर्तिमान स्थापित किए हैं। यह इस पवित्र भूमि में जन्म लेने वाली महान विभूतियों, संत व समाज सुधारकों के कृतित्व का परिणाम है।

लोकमाता अहिल्यादेवी राष्ट्र की ऐसी ही एक प्रेरणापुंज हैं, जिनसे वर्तमान एवं भावी पीढ़ी को प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के चरित्र को पढने् व स्मरण करने से राष्ट्र जीवन को दिशा मिलती है। रामदत्त चक्रधर ने पुण्यश्लोका अहिल्यादेवी के जीवन चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि वह एक सामान्य परिवार से थीं। उनके जीवन में तीन गुण ऐसे थे, जो उन्हें महान वीरांगना बनाते हैं। इनमें पहला गुण अभयम अर्थात साहस है। उनका राज्य बहुत विस्तृत था, कई बार उन्हें विद्रोह का सामना करना पड़ा, लेकिन लोकमाता ने अपनी अद्भुत सैन्य क्षमता से उसका स्थायी समाधान किया।

उन्होंने संपूर्ण भारत को एकात्मता के सूत्र में बांधने का कार्य किया। सह सरकार्यवाह रामदत्त ने इस अवसर पर कहा कि लोकमाता के जीवन का दूसरा गुण कुशल प्रशासक का था। उनके परिवार में दुर्घटनाओं की लंबी श्रृंखला हुई, लेकिन इसके बाद भी उन्होंने प्रशासनिक कौशल में कहीं उदासीनता नहीं दिखाई। नासिक में एक निर्माण कार्य के दौरान आर्थिक अनियमितता की शिकायत उन तक पहुंची तो उन्होंने तत्काल संबंधित अधिकारी को उसके पद से हटा दिया। इसी प्रकार पंढ़रपुर में एक अन्य निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांचने के लिए उन्होंने हाथियों को निर्माण कार्य के ऊपर चलवाया। लोकमाता के राज्य में निर्धन व्यक्ति को कोई भी धनवान व्यक्ति प्रताड़ित नहीं कर सकता था। वह कहतीं थी कि जनता और शासन के बीच मां और संतान का संबंध होता है।

रामदत्त चक्रधर ने अपने वक्तव्य में कहा कि लोकमाता ने महेश्वर में स्वदेशी उद्योग लगवाए। उनके जीवन चरित्र का एक गुण उनकी आध्यात्मिकता है। हम सब उनके चित्र को देखें तो उनके हाथ में शिवलिंग है। उन्होंने देशभर में मंदिरों का निर्माण व जीर्णोद्धार करवाया। काशी, बद्रीनाथ, केदारनाथ, गया समेत अनेक स्थानों पर उन्होंने मंदिर बनवाए। पंढ़रपुर यात्रियों के लिए वह भोजन व्यवस्था करवाती थीं। न्याय के लिए तो वह प्रसिद्ध हैं ही, वह हमेशा सनातन मूल्यों को जीती थीं। अपने उद्बोधन में श्री रामदत्त चक्रधर ने कहा कि भारत का यह स्वर्णिम कालखंड है। इस पीढ़ी को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, 370 धारा के समाप्त होने समेत ऐसे अनेक गौरवशाली क्षण देखने को मिल रहे हैं, जिसके लिए हमारी पिछली पीढियों ने संघर्ष किया।

यह वर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष भी है। इस स्वर्णिम कालखंड में हम लोकमाता देवी अहिल्यादेवी के जीवन चरित्र को आत्मसात करें। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक श्री टोपलाल वर्मा ने कहा त्रिशताब्दी वर्ष के निमित्त छत्तीसगढ़ प्रांत में 1157 शिक्षण संस्थानों में व्याख्यानमाला, निबंध प्रतियोगिता, रंगोली निर्माण समेत अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें बड़ी संख्या में युवाओं व प्रबुद्धजनों की भागीदारी रही।

त्रिशताब्दी जयंती समारोह आयोजन समिति के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व कुलपति नरेंद्र प्रसाद दीक्षित ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एक आकर्षक नृत्य नाटिका का मंचन कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति सच्चिदानंद शुक्ल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक अभयराम, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति गिरीश चंदेल समेत बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

चार एएसआई और तीन हेड कांस्टेबल हुए सेवानिवृत्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस विभाग में लंबी सेवा के बाद 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त हुए 04 सहायक उपनिरीक्षक एवं 03 प्रधान आरक्षक को विदाई दी गई। इस मौके पर पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कीर्तन राठौर, उप पुलिस अधीक्षक लाईन निलेश द्विवेदी, रक्षित निरीक्षक अनीश सारथी सहित अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा उनकी सेवा की सराहना करते हुए उनके भावी जीवन की शुभकामनाएं दिये।

सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों में सहायक उप निरीक्षक भूषण लाल साहू, सुरेन्द्र मिश्रा, चम्पू लाल साहू, मिनती सरकार तथा प्रधान आरक्षक विनोद कुमार कश्यप, चुम्मन लाल साहू एवं मानभंजन भोई शामिल हैं। सउनि भूषण लाल साहू - आप वर्ष 1989 में आरक्षक के पद पर जिला रायपुर में भर्ती होकर थाना कोतवाली, उरला, कसडोल, बालाघाट, नारायणपुर पुनः रायपुर यातायात एवं पुलिस लाईन रायपुर में सेवा देते हुए 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त हुए इस दौरान आप पुरे सेवा काल में दो पदोन्नती प्राप्त कर 36 वर्ष की सफर तय किया जो अत्यंत सराहनीय है।

सउनि सुरेन्द्र मिश्रा - आप वर्ष 1981 में आरक्षक के पद पर जिला रायपुर में भर्ती होकर थाना सिविल लाईन, गंज, पण्डरी, टिकरापारा, पुरानी बस्ती एवं आमानाका में सेवा देते हुए 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त हुए इस दौरान आप पुरे सेवा काल में दो पदोन्नती प्राप्त कर 44 वर्ष की सफर तय किया जो अत्यंत सराहनीय है। सउनि चम्पू लाल साहू - आप वर्ष 1988 में आरक्षक के पद पर जिला रायपुर में भर्ती होकर थाना पुरानीबस्ती, खरोरा, अभनपुर, मौदहापारा, सिमगा, गोबरानवापारा, गुढियारी, महासमुद, खल्लारी, पटेवा, कोतवाली एवं पुलिस लाईन रायपुर में सेवा देते हुए 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त हुए इस दौरान आप पुरे सेवा काल में दो पदोन्नती प्राप्त कर 37 वर्ष की सफर तय किया जो अत्यंत सराहनीय है। सउनि मिनती सरकार - आप वर्ष 1982 में महिला आरक्षक के पद पर जिला रायपुर में भर्ती होकर पुलिस कंट्रोल रूम, महिला थाना एवं डॉयल 112 में सेवा देते हुए 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त हुए इस दौरान आप पुरे सेवा काल में दो पदोन्नती प्राप्त कर 43 वर्ष की सफर तय किया जो अत्यंत सराहनीय है। प्रधान आरक्षक विनोद कुमार कश्यप - आप वर्ष 1984 में आरक्षक के पद पर जिला रायपुर में भर्ती होकर थाना-जीआरपी, खरोरा, आरंग एवं पुलिस लाईन रायपुर में सेवा देते हुए 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त हुए इस दौरान आप पुरे सेवा काल में एक पदोन्नती प्राप्त कर 41 वर्ष की सफर तय किया जो अत्यंत सराहनीय है।

मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज 10 को निकालेगी बाइक रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज का 79 वें महाअधिवेशन आगामी 13 एवं 14 अप्रैल को राजधानी रायपुर के इनडोर स्टेडियम में संपन्न होगा। कार्यक्रम की तैयारी के लिए रायपुर नगर एवं पूरे छत्तीसगढ़ में बैठकों का दौर जारी है, इसी क्रम में मोवा परिक्षेत्र में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें 10 अप्रैल को जनजागरण एवं सदभावना बाइक रैली जो मोवा से निकलकर नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गो से होते हुए इनडोर स्टेडियम पहुंचेगी जिसमे समाज के वर्तमान एवं पूर्ण पार्षद सहित एक हजार प्रतिभागी सम्मलित होंगे।कार्यक्रम के प्रथम दिवस 13 अप्रैल कार्यक्रम का शुभारंभ कलश यात्रा से होगी, जिसमें 500 कलश के साथ नगर के प्रमुख मार्गो से होकर कार्यक्रम स्थल इनडोर स्टेडियम रायपुर तक कलश यात्रा पहुंचेगी।

कुर्मी समाज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में युवा एवं महिला सम्मेलन, सामूहिक आदर्श विवाह, समाज के विभिन्न प्रकार के नियमों में संशोधन,सामाजिक जागरण, अतिथियों का मार्गदर्शन होगा । कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के विभिन्न पदाधिकारी को जवाबदारी सौंपी गई है । इस बैठक में प्रमुख रूप से समाज के महामंत्री यशवंत सिंह वर्मा, केंद्रीय कोषाध्यक्ष जागेश्वर प्रसाद बघेल, केंद्रीय महिला प्रमुख सरिता बघेल, राज प्रधान रायपुर राज जागेश्वर वर्मा, राज मंत्री बृजराज वर्मा, सचिव सुनील नायक, युवा अध्यक्ष आलोक टिकरिहा, केंद्रीय सदस्य सुरेश वर्मा, महिला महामंत्री श्रद्धा नायक, क्षेत्र प्रधान सोहन वर्मा, दलदल सिवनी प्रमुख अशोक वर्मा, सद्दू इकाई प्रमुख रूप नारायण वर्मा, पंडरी प्रमुख नारायण वर्मा, गांधीनगर प्रमुख गुड्डू वर्मा, खम्हारडीह प्रमुख ज्योत्सना वर्मा, जेपी वर्मा, हरीश वर्मा, इंद्रजीत वर्मा, विश्वजीत वर्मा ,लक्ष्मीनाथ वर्मा, राधा रमन वर्मा, विजय वर्मा, नरेंद्र वर्मा, सुरेश वर्मा, अन्य पदाधिकारी सहित 55 सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भारतीयता को पुर्नस्थापित करने साहित्य संस्थान की भूमिका महत्वपूर्ण -रामदत्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्ष प्रतिपदा के पावन दिन भगवती साहित्य संस्थान के नवीन कार्यालय का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर मध्य क्षेत्र के संघचालक डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना, छत्तीसगढ़ प्रांत के संघचालक डॉ. टोपलाल वर्मा, प्रांत के प्रचार प्रमुख संजय जी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने संक्षिप्त उद्बोधन में श्री रामदत्त ने कहा कि देश के परतंत्र काल में अंग्रेजों ने लंबा कालखंड भारतीय शास्त्रों का अध्ययन करने में लगाया फिर भारत की विशेषताओं को समझकर भारतीयता पर प्रहार करने का कार्य किया। शिक्षा नीति बनाकर, स्कूल एवं उच्च शिक्षा के संस्थान बनाकर भारतीय इतिहास, समाज और संस्कृति के विकृत स्वरूप को भारतीय जनमानस में भरने का एक षडयंत्र किया। स्वाधीनता के बाद भी भारतीयता के विरुद्ध विमर्श बनाने काम चलता रहा। अब समय आ गया है कि राष्ट्रवादी विमर्शों को समाज में पुनर्स्थापित करें, इसके लिए किसी आंदोलन या अभियान की आवश्यकता नहीं है बल्कि विमर्श बनाने के लिए निरंतर अध्ययन करने की आवश्यकता होती है। इसके लिए साहित्य संस्थानों की विशेष भूमिका होती है। श्री रामदत्त जी ने कहा कि भगवती साहित्य संस्थान भारतीय विषयों के विरुद्ध चलाए जा रहे विमर्शों को ध्यान में रखकर साहित्यों का निर्माण करेगा। इस अवसर पर प्रांत के सह प्रचार प्रमुख नीरज वर्मा एवं मन्मथनाथ शर्मा, रायपुर विभाग के प्रचारक रोहित जी , रायपुर महानगर के कार्यवाह भारत भूषण जी सहित भगवती साहित्य संस्थान के अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघानिया, सचिव युगबोध अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

नेपाल की खूबसूरत हसीना अदिति बुधाथोकी पर चढ़ा हॉटनेस का खुमार

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी हमेशा अपने लेटेस्ट ग्लैमरस और हॉट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटोरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में अदिति ने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में वो एथनिक लुक में कहर बरपा रही हैं।

एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी नेपाल की मशहूर एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उनका किलर लुक इंटरनेट पर आते ही अक्सर तबाही मचाती मचाता रहता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर साझा की हैं, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। अदिति ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही खूबसूरत लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनका यह लुक इंटरनेट पर बवाल मचा रहा है।

कानों में झुमके, बालों को कर्ली लुक में ओपन कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने कातिल निगाहों से पोज देती हुई सोशल मीडिया पर खंजर चलाती हुई नजर आ रही हैं। अदिति बुधाथोकी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

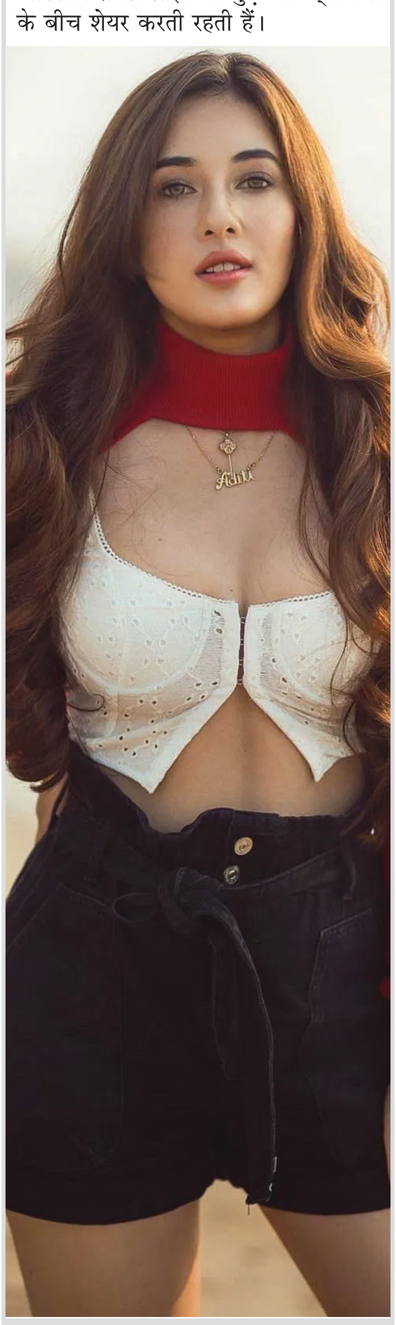

अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने बताईं चुनौतियों की बात

मानुषी छिल्लर ने अपने सामने आई चुनौतियों के बारे में बताया। मानुषी छिल्लर ने मिस वर्ल्ड का ताज जीतकर पूरे देश को गौरवान्वित किया। इसके ठीक बाद उन्होंने सम्राट पृथ्वीराज के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। उन्होंने शक्ति प्रताप सिंह हाडा के निर्देशन में ऑपरेशन वैलेंटाइन के साथ टॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। मानुषी ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि जब अवसर खत्म हो गए तो उन्हें कैसा लगा। उन्होंने कहा, मेरे लिए अभी सबसे बड़ी चुनौती एक अभिनेता के रूप में मेरी यात्रा है। मिस वर्ल्ड जीतने के बाद इस क्षेत्र में आने पर, मैं पहले से ही काम कर रही थी, लेकिन अभिनय में कदम रखना एक बार फिर से एक छात्र बनने और सब कुछ शुरू से सीखने जैसा था। यह मेरे सामने आई सबसे बड़ी चुनौती रही है।

उन्होंने बताया, मैं हमेशा से एक अच्छी छात्रा रही हूँ, इसलिए मैंने हाल ही में अपना ध्यान इस नए हुनर को अपनाने पर केंद्रित किया, और खुद को एक अभिनेता के रूप में बेहतर बनाने के लिए समर्पित कर दिया। अभिनय एक पूरी तरह से अलग अनुशासन है, और जबकि हर किसी की अपनी खूबियाँ होती हैं, मैं हमेशा से एक स्वाभाविक रूप से सतर्क और दृढ़ व्यक्ति रही हूँ। भावनाओं को खुलकर व्यक्त करना मेरे लिए कभी आसान नहीं रहा। हालाँकि, सबसे बड़ी बाधाओं में से एक जो मुझे पार करनी थी, वह थी कैमरे के सामने कमज़ोर होना सीखना और खुद को पूरी तरह से एक किरदार में डुबो देना। उन्होंने कहा, हमेशा बहुत ज़्यादा उम्मीदें होती हैं, ख़ासकर जब आप मिस वर्ल्ड जैसे मंच से आते हैं। इस प्रतियोगिता से कई उल्लेखनीय महिलाओं ने न केवल प्रतियोगिता में बल्कि अभिनय में भी वैश्विक पहचान हासिल की है। स्वाभाविक रूप से, यह एक निश्चित स्तर की जांच लाता है। मैं उम्मीदों को एक सकारात्मक शक्ति के रूप में देखती हूँ। वे मुझे और अधिक प्रयास करने, लगातार सुधार करने के लिए प्रेरित करती हैं। बाहरी दबाव पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, मैं सीखने, अपने कौशल को निखारने और एक अभिनेता के रूप में विकसित होने पर ध्यान केंद्रित करना चुनती हूँ। सबसे अच्छी बात जो मैं कर सकती हूँ, वह है अपने शिल्प के लिए खुद को समर्पित करना, कड़ी मेहनत करना और एक अभिनेता के रूप में विकसित होना। अपने प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए, उन्होंने साझा किया, इस साल मेरी दो फ़िल्में रिलीज़ होने वाली हैं और एक और जिसकी मैं शूटिंग शुरू करूँगी। दुर्भाग्य से, मैं उनका नाम नहीं बता सकती, लेकिन जब फ़िल्मों की बात आती है, तो यही लाइन में है। इसके अलावा, मेरे ब्रांड द्वीप के साथ बहुत काम चल रहा है, जो मेरा सस्टेनेबल बीचवियर ब्रांड है, और सोमा वेलनेस के साथ बहुत विस्तार हो रहा है, जो मेरा रीजेनरेटिव क्लिनिक है।

एथनिक लुक में कहर बरपाती दिखीं मौनी रॉय

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस मौनी रॉय अक्सर अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस को अपने हुस्न का कायल बनाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मौनी रॉय ने बेहद ही खूबसूरत तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मौनी रॉय ने व्हाइट कलर का बेहद ही खूबसूरत सूट पहना हुआ था, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बालों में गजरा, फूल वाला मांगटीका, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये कातिलाना अवतार देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। मौनी रॉय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

सीमाओं से आगे निकलकर चुनौती भरी भूमिका निभाना करता है उत्साहित : हेली शाह

हाल ही में रिलीज हुई सीरीज ज्यादा मत उड़ में अभिनय कर रहीं लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री हेली शाह का कहना है कि अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने वाली भूमिकाओं के साथ खुद को चुनौती देना उन्हें और अधिक उत्साहित करता है। ड्रामा और कॉमेडी का एक बेहतरीन मिश्रण ज्यादा मत उड़ चुनौतियों से भरी दुनिया में अपना रास्ता खुद बनाने की कोशिश कर रहे युवाओं के संघर्ष और आकांक्षाओं के इर्द-गिर्द घूमती है।

उन्होंने बताया, एक साथ कई कलाकारों के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा होना मेरे लिए कभी चिंता का विषय नहीं रहा, क्योंकि मुझे अपने काम पर भरोसा है। मुझे सबसे ज्यादा रोमांचित करता है खुद को ऐसे किरदारों से चुनौती देना जो एक अभिनेता के तौर पर मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं। शो में हेली ने काजल की भूमिका निभाई है, जो एक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी महिला है, जो सामाजिक अपेक्षाओं से पीछे हटने से इनकार करती है।

अपने पहले निभाए गए पारंपरिक किरदारों से अलग, काजल बोल्ड, मुखर और हमेशा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहती हैं। उन्होंने कहा, 'ज्यादा मत उड़' में काजल की भूमिका निभाना मेरे लिए एक नया अनुभव रहा है, क्योंकि वह बोल्ड, निडर और सामाजिक मानदंडों से बंधे रहने से इनकार करती है। वह अपने मन की सुनती है, अपने लिए खड़ी होती है और मेरे द्वारा पहले निभाई गई भूमिकाओं की तुलना में एक अलग ऊर्जा लेकर आती है। यह रोमांचक और फायदेमंद दोनों रहा है।

हेली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 8वीं कक्षा में शो 'गुलाल' से की थी। इसके बाद वह 2011 के शो दीया और बाती हम में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 'अलक्ष्मी – हमारी सुपर बहू' में अलक्ष्मी का किरदार निभाया। बाद में वह खेलती है जिंदगी आंख मिचौली में अमी के किरदार में दिखी थीं। इसके बाद वह सोनी पल के शो खुशियों की गुल्लक आशी में नजर आईं। 'स्वरागिनी' में हेली ने स्वरा माहेश्वरी का किरदार निभाया था। 2016 में शाह 'झलक दिखला जा' के सीजन 9 में दिखी थीं। अभिनेत्री को बाद में 'देवांशी', 'सूफियाना प्यार मेरा', 'ये रिश्ते हैं प्यार के' और 'इश्क में मरजावां 2' जैसे कई अन्य शो में देखा गया।

अगस्त्य नंदा संग नहीं दिखीं सुहाना, डेटिंग को लेकर चर्चा

बॉलीवुड की आने वाली स्टार और शाहरुख खान की बेटी, सुहाना खान, हाल ही में चर्चा का विषय बन गई हैं। आईपीएल के दौरान सुहाना और उनके कथित बॉयफ्रेंड अगस्त्य नंदा के बीच एक विशेष बॉन्ड को लेकर मीडिया में काफी खबरें बनीं। हालांकि, हाल ही में आईपीएल मैच के बाद दोनों एक साथ नजर नहीं आए, जिससे उनके रिलेशनशिप को लेकर और भी सवाल उठने लगे हैं।

सुहाना और अगस्त्य नंदा के रिश्ते की अफवाहें पिछले कुछ समय से मीडिया में घूम रही थीं, लेकिन दोनों ने कभी भी सार्वजनिक रूप से अपनी डेटिंग को स्वीकार नहीं किया है। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर एक दूसरे के साथ समय बिताते हुए तस्वीरें पोस्ट करते रहते हैं, लेकिन कभी भी अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात नहीं की। इस पर सुहाना और अगस्त्य की चुप्पी ने और भी कई कयासों को जन्म दिया है।

डेटिंग अफवाहें और चुप्पी हालांकि, आईपीएल के बाद दोनों को एक साथ नहीं देखा गया, लेकिन इससे पहले अगस्त्य और सुहाना के बीच एक अच्छे दोस्ती और करीबी रिश्ते की अफवाहें मीडिया में थीं। दोनों के बीच की दोस्ती को लेकर सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और वीडियो भी वायरल हुए थे। इस पर कयास लगाए जा रहे थे कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। मीडिया में चल रही अफवाहों को लेकर सुहाना ने कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, और ना ही अगस्त्य ने इस मामले पर कुछ कहा। हालांकि, जब दोनों एक साथ नहीं दिखे, तो फैंस और मीडिया ने इसके अलग-अलग पहलुओं पर गौर करना शुरू कर दिया। समाप्ति सुहाना खान और अगस्त्य नंदा का रिश्ता एक मिस्ट्री बना हुआ है। हालाँकि दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया, लेकिन सोशल मीडिया और मीडिया में चल रही अफवाहें इन दोनों के बारे में काफी कुछ कह रही हैं। अब देखना यह है कि वे अपने रिश्ते के बारे में कब और क्या खुलासा करते हैं।

ज्यादा बादाम खाने से हो सकते हैं ये नुकसान

1 दिन में कितने बादाम खाना है सेहत के लिए फायदेमंद

बादाम शरीर के लिए हेल्दी नट्स में शामिल है। लोग आज भी सेहत बनाने के लिए काजू बादाम खाने की सलाह देते हैं। पहले काजू बादाम खाना या दूसरे मेवा खाना आम लोगों को बस की बात नहीं थी। तब न तो लोगों के पास इतना पैसा हुआ करता था और न ही इन चीजों की पैदावार ज्यादा होती थी।

लेकिन अब मिडिल क्लास में सबसे ज्यादा ड्राई फ्रूट्स खाए जाने का चलन बढ़ गया है। लोग सर्दियों में खासतौर से काजू बादाम खाते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर पावरहाउस बादाम शरीर को फिट रखने और कई बीमारियों को दूर रखने में मदद करता है, लेकिन बादाम का ज्यादा सेवन कई बार नुकसान भी कर सकता है। जानिए ज्यादा बादान खाने से क्या नुकसान होता है और 1 दिन में कितने बादाम खाने चाहिए?

बादाम खाने के नुकसान

एलर्जी- अगर आपको किसी तरह की कोई एलर्जी है तो आपको किसी भी नट्स का सेवन सोच समझकर करना चाहिए। जिन्हें अखरोट से एलर्जी है उन्हें बादाम खाने से भी बचना चाहिए। एलर्जी के लक्षण गले में दर्द, मुंह में कैविटी में खुजली, सूजे हुए होंठ या जीभ और गाल में सूजन महसूस होना हो सकते हैं।

वजन बढ़ना

जो लोग बहुत ज्यादा मात्रा में बादाम खाते हैं उनका वजन कम होने की बजाय बढ़ सकता है। क्योंकि बादाम में कैलोरी भी होती है। करीब 1 औंस बादाम में 160 कैलोरी होती है। इसलिए वजन घटाने के लिए सीमित मात्रा में ही बादाम का सेवन करें।

कब्ज

बादाम में फाइबर काफी ज्यादा होता है जो आंतों के स्वस्थ बनाए रखने और गट हेल्थ में सुधार लाने में मदद करता है। लेकिन ज्यादा बादाम खाने से फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है। कई बार बहुत अधिक बादाम खाने से कब्ज हो सकती है।

किडनी स्टोन

अगर आपको किडनी में स्टोन है तो आपको ज्यादा बादाम खआने से बचना चाहिए। बादाम में ऑक्सालेट की मात्रा अधिक पाई जाती है जिससे किडनी में स्टोन होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

गैस और जलन

जिन लोगों को एसिड रिफ्लक्स या गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज (जीईआरडी) की समस्या रहती है उन्हें बादाम कम मात्रा में ही खाना चाहिए। ज्यादा बादाम खाने से सीने में जलन और गैस एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

खून बहना

बादाम में विटामिन ई की मात्रा काफी अधिक होती है। विटामिन ई खून को जमने से रोकता है। ऐसे में ज्यादा बादाम खाने से रक्त के जमने का काम रुक सकता है। इससे तेज खून बहने और खून न रुकने की समस्या हो सकती है।

1 दिन में कितने बादाम खाने चाहिए?

स्वस्थ रहने के लिए आपको 1 दिन में करीब 5-6 बादाम जरूर खाने चाहिए। जो लोग इंटेंस वर्कआउट करते हैं वो 8-10 बादाम भी खा सकते हैं। बादाम को हमेशा पानी में भिगोकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। सुबह खाली पेट बादाम खाना फायदेमंद माना जाता है।

महीने भर तक हर रोज करी पत्ते को चबाकर खाएं, दूर हो जाएंगी सेहत से जुड़ी ये समस्याएं

करी पत्ते में विटामिन ए, बी, सी, ई, कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि करी पत्ते को मीठी नीम के नाम से भी जाना जाता है। अगर आपकी भी यही लगता है कि करी पत्ते का इस्तेमाल सिर्फ खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए किया जाता है, तो आपको अपनी इस गलतफहमी को जल्द से जल्द दूर कर लेना चाहिए। आयुर्वेद के मुताबिक करी पत्ता सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है।

कंट्रोल करे ब्लड शुगर लेवल

अगर आपका ब्लड शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है, तो आपको करी पत्ते को चबाना शुरू कर देना चाहिए। करी पत्ते की मदद से आप अपने ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल कर सकते हैं। डायबिटीज पेशेंट्स को अक्सर करी पत्ता खाने की सलाह दी जाती है। करी पत्ते में विटामिन ए की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि करी पत्ते को आंखों के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

वेट लॉस में फायदेमंद

करी पत्ते को चबाकर आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर सकते हैं। यही वजह है कि वेट लॉस के लिए करी पत्ते को डाइट प्लान में शामिल करने की सलाह दी जाती है। इतना ही नहीं रेगुलरली करी पत्ता चबाने से इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाया जा सकता है यानी करी पत्ते को खाकर आप खुद को बार-बार बीमार पड़ने से भी बचा सकते हैं।

पेट से जुड़ी समस्याओं से मिलेगा छुटकारा

करी पत्ता आपकी गट हेल्थ को भी काफी हद तक इम्प्रूव कर सकता है। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए हर रोज नियम से करी पत्ते को चबाना शुरू कर दीजिए। करी पत्ते में पाए जाने वाले तत्व दिल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आप एक दिन में पांच से छह करी पत्ते खा सकते हैं।

सुबह-सुबह खाली पेट पिएं करी पत्ते का पानी, साफरहने लगेगा पेट, मिलेंगे गजब के फायदे

औषधीय गुणों से भरपूर करी पत्ता आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। अगर आपको भी यही लगता है कि करी पत्ते का इस्तेमाल सिर्फ खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए किया जाता है, तो आपको अपनी इस गलतफहमी को दूर कर लेना चाहिए। क्या आप जानते हैं कि आयुर्वेद के मुताबिक रेगुलरली करी पत्ते का पानी पीकर आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है? आइए जानते हैं कि इस पत्ते का पानी आपकी ओवरऑल हेल्थ को कितना ज्यादा इम्प्रूव कर सकता है।

कैसे बनाएं करी पत्ते का पानी?

करी पत्ते का पानी बनाने के लिए आपको एक पैन में एक गिलास पानी डालना है। अब 7-8 करी पत्तों को अच्छी तरह से धोकर इस पानी में डाल दीजिए और फिर इस पानी को 10 मिनट तक बॉइल कीजिए। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए जब ये बॉइल्ड वॉटर ठंडा हो जाए, तब आपको इसमें शहद मिक्स करना है। अब आप इस ड्रिंक को अपनी मॉर्निंग डाइट में शामिल कर सकते हैं।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप हर रोज नियम से करी पत्ते का पानी पीना शुरू कर देंगे, तो आपकी गट हेल्थ सुधरने लगेगी। जिन लोगों को अक्सर कब्ज या फिर गैस की समस्या रहती है, उन्हें करी पत्ते का पानी पीकर अपने दिन की शुरुआत करनी चाहिए। महज कुछ ही दिनों के अंदर आपका पेट खुद-ब-खुद साफ रहने लग जाएगा। इसके अलावा करी पत्ते का पानी आपकी वेट लॉस जर्नी को भी काफी हद तक आसान बना सकता है।

मिलेंगे कमाल के फायदे

करी पत्ते का पानी आपके ब्लड को प्यूरिफाई करने में मददगार साबित हो सकता है। इतना ही नहीं इस पत्ते का पानी पीकर आप अपनी लिवर हेल्थ को भी काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं। इसके अलावा करी पत्ते का पानी पीने से आप अपने ब्लड शुगर लेवल को भी काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं। यही वजह है कि इस नेचुरल ड्रिंक को डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद माना जाता है।

नक्सल पुनर्वास नीति से सुदूर क्षेत्रों में शांति और विकास की नई पहल - विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी शांति स्थापित करने और आत्मसमर्पित नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए एक समग्र और प्रभावी छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/ पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 लागू की है। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि सरकार की नई नक्सल पुनर्वास नीति 2025 के तहत न केवल आत्मसमर्पण को प्रोत्साहित किया जा रहा है, बल्कि समर्पण करने वाले नक्सलियों को एक सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन की ओर बढ़ने का अवसर भी दिया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की इस नीति का मुख्य उद्देश्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भय और असुरक्षा के माहौल को समाप्त कर वहाँ के नागरिकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकार द्वारा आर्थिक सहायता, आवास, शिक्षा और रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि वे एक नई शुरुआत कर सकें। नक्सल संगठन छोड़ने वाले लोगों को सुरक्षा बलों की निगरानी में सुरक्षित आवास प्रदान किया जाता है, जहाँ वे अपने परिवार सहित शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत कर सकें। उनके पुनर्वास के लिए राज्य सरकार ने विशेष प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की है, जहाँ उन्हें तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही है, ताकि वे अपने जीवनयापन के लिए आत्मनिर्भर बन सकें। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि सरकार केवल आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके परिवारों के कल्याण पर भी विशेष ध्यान दे रही है। समर्पित नक्सलियों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं और विशेष विद्यालयों की व्यवस्था की गई है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि उनके बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित माहौल मिले, जिससे वे आगे चलकर समाज के सम्मानजनक नागरिक बन सकें। स्वास्थ्य सुविधाओं को भी इन परिवारों तक पहुँचाने के लिए विशेष प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहाँ मुफ्त चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के लिए सड़कों, पुलों और बिजली की आपूर्ति जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि जब तक इन क्षेत्रों में आधारभूत विकास नहीं होगा, तब तक वहाँ स्थायी शांति की स्थापना संभव नहीं हो पाएगी। इसलिए इन इलाकों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए नए औद्योगिक और कृषि विकास परियोजनाओं को भी गति दी जा रही है। सरकार द्वारा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए आत्मसमर्पित नक्सलियों को ऋण योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, जिससे वे अपने व्यवसाय शुरू कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को सरकारी नौकरियों, सहकारी समितियों और अन्य रोजगार योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे पुनः अपराध या नक्सल गतिविधियों की ओर न मुड़ें। पुनर्वासित व्यक्तियों को उनकी योग्यता और क्षमता के अनुसार विभिन्न सरकारी विभागों में कार्य करने का अवसर दिया जा रहा है। इसके अलावा, उन्हें खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प और अन्य स्वरोजगार योजनाओं में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे वे अपनी आजीविका खुद सुनिश्चित कर सकें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की इस पुनर्वास नीति के कारण कई पूर्व नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज में लौट रहे हैं और सकारात्मक जीवन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। राज्य सरकार की यह नीति न केवल नक्सलियों को मुख्यधारा में वापस लाने में सफल हो रही है, बल्कि इससे छत्तीसगढ़ के सुदूर क्षेत्रों में स्थायी शांति स्थापित करने में भी सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सिर्फ उग्रवाद को समाप्त करना नहीं है, बल्कि उन लोगों को भी नई जिंदगी देना है, जो किसी कारणवश इस पथ पर चले गए थे।

जल संरक्षण व संवर्धन के लिए कार्य कराएं : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए राज्य शासन के निर्देशानुसार सभी शासकीय व अशासकीय विद्यालयों के संचालन के समय में परिवर्तन किया गया है।

निर्देशानुसार शासकीय विद्यालय सुबह साढ़े 7 बजे से साढ़े 11 बजे तक संचालित किए जाएंगे, उनका पालन सुनिश्चित कराएं। इसके अलावा आंगनबाड़ी के संचालन में परिवर्तन किया गया है। अब आंगनबाड़ी केन्द्र सुबह 11 बजे तक संचालित किए जाएंगे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले में दिव्यांगजनों का चिन्हांकन किया गया है, उन्हें शिविर लगाकर परीक्षण कराएं और आवश्यक सामग्री भी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जिले में समस्या सामाधान शिविरों का आयोजन किया जाना है। इसी कड़ी में आगामी 11 अप्रैल 2025 को राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सिंघोला में आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में सभी जिला स्तरीय अधिकारी पहुंचकर विभाग से संबंधित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ आम जन की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने कहा कि उच्च न्यायालय के प्रकरणों पर समय-सीमा में जवाब दावा बनाकर प्रस्तुत प्रस्तुत करने और इसके लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी दें। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में कही भी शराब की अवैध बिक्री एवं परिवहन नहीं होना चाहिए, इसके लिए आबकारी विभाग के अधिकारी सतत निगरानी एवं मानिटरिंग करते हुए कार्रवाई करते रहे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिला खनिज न्यास निधि अंतर्गत लोकहित एवं लोकोपयोगी कार्य स्वीकृत किए जाने है, इसके लिए सभी विभाग अपने-अपने विभाग से संबंधित इस प्रकार के कार्यों के प्रस्ताव जिला कार्यालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें ताकि समय पर कार्य स्वीकृत कर पूरे किए जा सकें।

इसके तहत उन्होंने विभिन्न निर्माण विभागीय एजेंसियों सहित शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, उद्योग एवं अन्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि निरंतर भू-जल के दोहन के कारण भू-जल स्तर में गिरावट आ रही है, इसे रोकने के साथ-साथ जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य कराएं जा रहे है, विभागीय अधिकारी इन कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर करना सुनिश्चित करें।

ग्राम सुराज की तर्ज पर करें जनता की समस्याओं का समाधान : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण ने टीएल बैठक में राज्य सरकार की योजनाओं और लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि जनता की समस्याओं का यथासंभव मौके पर समाधान के लिए ग्राम स्वराज की तर्ज पर बहुत जल्द अभियान शुरू होने वाला है। इसके पहले अधिकारी कर्मचारी अपने विभागीय काम-काज की समीक्षा कर लें। प्राप्त शिकायतों का निराकरण कर लें। उन्होंने तालाबों पर से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने अगले पन्द्रह दिवस में ग्राम पंचायतों के प्रस्ताव के आधार पर बेजा कब्जा हटाने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त अमित कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की यात्रा संपन्न होने के बाद अफसरों को विकास कार्यों को तेज गति से करना होगा। जनता की समस्या, शिकायत एवं मांगों की जानकारी हासिल करने राज्य सरकार ग्राम स्वराज योजना पर विचार कर रही है। इसके शुरू होने के पहले अधिकारी विभागीय योजनाओं में कसावट लायें। पटवारी, पंचायत सचिव, आरएईओ, लाईनमेन से लोगों का ज्यादा काम होता है। ये सब अपने निर्धारित मुख्यालय में रहकर जनहित से जुड़े काम तत्परता से करें। 7 अप्रैल से राजस्व पखवाड़ा का भी बड़ा आयोजन हो रहा है। गरमी के मौसम में पेयजल की समस्या के निराकरण पर ज्यादा ध्यान दें। जहां-जहां पर नलकूप में राईजर पाईप बढ़ाने की जरूरत है, ग्राम पंचायत की मूलभूत अथवा पन्द्रहवा वित्त आयोग की राशि का उपयोग किया जा सकता है। अधिकारियों ने बैठक में बताया कि अधिकांश कार्यालयों में उपस्थिति के लिए बायोमेट्रिक उपकरण लगाये जा चुके हैं। दो-तीन दिनों में बचे हुए विभागों को लगाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मस्तुरी क्षेत्र में राशन वितरण की शिकायत को देखते हुए एसडीएम को आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्कूल जतन योजना की भी बैठक में समीक्षा की। उन्होंने कहा कि रिपेयर के बाद इस साल बरसात में छत से पानी टपकेगा अथवा लिकेज होगा।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में नियद नेल्ला नार योजना से पुसकोंटा को मिली विकास की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। घना जंगल, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, और सूरज ढलते ही छा जाने वाला घना अंधेरा ङ्क कुछ समय पहले तक बीजापुर जिले के हीरापुर ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम पुसकोंटा की यही पहचान थी। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित नियद नेल्लानार योजना ने वह कर दिखाया, जो लंबे समय से सिर्फ एक सपना था। गांव के प्रत्येक घर में जब पहली बार बल्ब जला, तो वह एक नए जीवन की शुरुआत थी।

पुसकोंटा के ग्रामीण देवा कुंजाम, भीमा माड़वी, नागू पोट्टाम और जमुना मिच्चा की आँखों में यह चमक साफ़ देखी जा सकती है, जो उम्मीद और विश्वास की होती है।

देवा कुंजाम बताते हैं, पहले अंधेरा ऐसा होता था कि जंगली जानवरों का डर हर समय बना रहता था। लेकिन अब गांव में रोशनी है, और साथ ही सुरक्षा का भी एहसास।

पीने का पानी अब घर के द्वार पर

गृहिणी जमुना मिच्छा कहती हैं, जल जीवन मिशन के तहत हर घर में नल होने से अब हमें पानी के लिए हैण्डपंप तक नहीं जाना पड़ता। पहले बच्चों को अकेला छोड़कर पानी लाने जाना पड़ता था, अब घर में ही पानी है, तो बच्चों का भी ठीक से ध्यान रख पाती हूं।

सपनों को पंख देने वाला प्रशासन

भीमा माड़वी के लिए तो यह बदलाव कुछ और ही मायने रखता है। वे पहली बार रायपुर देखने गए ङ्क एक ऐसा अनुभव जो पहले कभी कल्पना में भी नहीं था। वे कहते हैं, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी की पहल के कारण आज पुसकोंटा जैसे दूरदराज गांव के ग्रामीण भी राजधानी के विकास कार्यों को देख पा रहे हैं। बिजली, पानी, सड़क, मोबाइल टावर, स्कूल, आंगनबाड़ी ङ्क एक समग्र बदलाव

नियद नेल्लानार योजना सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि एक विजन है ङ्क वह विजन जो हर गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ता है। अब पुसकोंटा जैसे गांवों में न सिर्फ रोशनी आई है, बल्कि संभावनाओं की नई सुबह भी हुई है। प्रधानमंत्री आवास, शौचालय, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सुविधाएं अब यहां दस्तक दे रही हैं। ये बदलाव सिर्फ सुविधा का नहीं, बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता का है।

आश्रम छात्रावास और अचित मूल्य की दुकानों का सतत् निरीक्षण करना सुनिश्चित करें - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं द्वारा जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों का साप्ताहिक समय सीमा की बैठक आहूत किया गया। उन्होंने स्वीकृत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा चिन्हांकित ग्रामों मे पेयजल, सड़क निर्माण, सौर उर्जा, नलजल योजना, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, बैंक खाता खुलवाने, अंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने निर्देशित किया।

कलेक्टर ने बालक आश्रम कोहकामेटा एवं प्री मैट्रिक बालक आश्रम छात्रावास कोहकामेटा का निरीक्षण प्रपत्र में उल्लेखित समस्याओं का निराकरण करने, प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास बाकुलवाही का निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने, अबुझमाड़िया आवास निर्माण कार्य को पूर्ण करने, आयकर राशि अतिशीघ्र आयकर विभाग को जमा करने तथा 08 मई 2025 विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन करने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया, महतारी वंदन योजना के आवेदनों को शीघ्र निराकण कराने के निर्देश दिए, जिले के आश्रम छात्रावास आंगनबाड़ी और ग्रामीण क्षेत्रों के हेण्डपंपो को मरम्मत कराए तथा शुद्ध पेयजल ग्रामीणों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ममगाईं ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने, राजस्व पखवाड़ा आयोजित करने, स्कूल भवन में शौचालय मरम्मत व बाउंड्रीवाल निर्माण करने, विद्युत विहीन आंगनबाड़ियों में विद्युतीकरण करने, प्रधानमंत्री आवास निर्माण में प्रगति लाने, नियद नेल्लानार योजनांतर्गत संचालित निर्माण कार्यो को समय पर पूर्ण करने, जल जीवन मिशन अंतर्गत शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।कलेक्टर ने समीक्षा करते हुए राजस्व संबंधी प्रकरणों को शीघ्र निराकरण करने, सेवा निवृत्त पश्चात् शेष एवं देय स्वत्यों का भुगतान करने, मेटानार के घर घर में विद्युत कनेक्शन प्रदाय करने, अवैध निर्माण रोकने, आश्रम छात्रावासों के समस्याओं का निराकरण करने, अबुझमाड़िया जनजाति सहित अन्य विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदाय करने, जिले में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र शतप्रतिशत बनवाने, कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से कृषकों को लाभान्वित करने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा मुख्यमंत्री एवं कलेक्टर जनदर्शन से प्राप्त हुए आवेदनों का शीघ्र निराकरण कराने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किए।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना से जुड़कर युवाओं को मिल रही आत्मनिर्भरता की राह

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर युवाओं, महिलाओं को मिल रहे रोजगार के विभिन्न अवसर। जिले के 17 कौशल विकास केंद्रों से इस वर्ष 596 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और आत्मनिर्भर बनें। योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में हर वर्ग का ध्यान रखते हुए ऐसी योजनाएं चलाई जा रही है,जिससे लोग आत्मनिर्भर बन कर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत जिले में 17 केंद्र हैं जिनमें इस वर्ष 596 युवाओं ने विभिन्न ट्रेड के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया और उनके लिए रोजगार के कई अवसर बनें। कोनी के महिला आईटीआई, में योजना के तहत विभिन्न कोर्स चलाए जा रहे हैं जिनमें जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, ब्यूटीपार्लर कोर्स, सिलाई प्रशिक्षण, डाटा एंट्री ऑपरेटर, कंप्यूटर प्रशिक्षण, असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन, राज मिस्त्री, डेस्कटॉप पब्लिकेशन जैसे कोर्स शामिल हैं।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना से प्रशिक्षण प्राप्त कर युवाओं को रोजगार के विभिन्न अवसर प्राप्त हो रहे हैं। जनरल ड्यूटी असिस्टेंट का कोर्स करने के बाद ये जिले के विभिन्न निजी अस्पतालों में अपनी सेवाएं दे रही है, लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए कहा कि इस कौशल विकास प्रशिक्षण से वे आत्मनिर्भर बनने में सक्षम हो पाई हैं, अन्यथा अल्प शिक्षा के कारण उनके लिए बेहतर रोजगार के अवसर मिलना मुश्किल था। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से पहले वे बेरोजगार थें, लेकिन प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाइ उन्हें नौकरी मिल गई है जिससे वे अपने परिवार को आर्थिक सहयोग दे रहे हैं।

वहीं अनेक हितग्राहियों ने विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अपना स्वयं का व्यवसाय भी शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना राज्य के युवाओं को विभिन्न व्यवसायों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को उनकी रुचि और योग्यता के अनुसार प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर बढ़ाना है और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

पद्म पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। भारत सरकार ने वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों ''पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री'' के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इस संबंध में, छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी जिला अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नामांकन प्रस्ताव 31 जुलाई 2025 तक ऑनलाइन पोर्टल ूतकेण्हवअण्पद के माध्यम से आमंत्रित किए गए हैं। जिले के पात्र एवं योग्य व्यक्तियों के नामांकन सुनिश्चित करने हेतु सभी संबंधित कार्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे 10 जुलाई 2025 तक प्रस्तावों का परीक्षण एवं प्रमाणीकरण कर कलेक्टर कार्यालय को प्रस्तुत करें।

कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, जिले के पात्र व्यक्तियों के नामांकन प्रस्ताव 15 जुलाई 2025 तक संबंधित विभाग को भेजे जाने चाहिए। सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, जनपद पंचायतों के सीईओ और नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे शासन के मापदंडों के अनुरूप योग्य उम्मीदवारों के प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करें। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे व्यक्तिगत रुचि लेकर सुनिश्चित करें कि सभी प्रस्ताव प्रमाणित, सही और निर्धारित प्रारूप में समय-सीमा के भीतर प्रस्तुत हों।

गौरतलब है कि पद्म पुरस्कार भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रदान किए जाते हैं।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

अचानक तबीयत बिगड़ने से छात्र की हुई मौत

बीजापुर (ए.)। उसूर ब्लाक के दुगाईगुडा में राजीव गांधी शिक्षा मिशन द्वारा संचालित बालक रेशिडेंशियल स्कूल में तीसरी कक्षा में अध्ययनरत एक छात्र नीतीश धुर्वा की उसके गांव जिनिप्पा के घर में मंगलवार को मौत हो गई है। डीएमसी कमलदास झाड़ी ने बताया कि चार दिन पहले एक छात्र के परिजन उसे अपने साथ गांव लेकर गए थे, तब छात्र ठीक था। अब अचानक छात्र की मौत होने की खबर मिली है। उन्होंने बताया कि वे परिजनों से वस्तुस्थिति जानने एपीसी और बीआरसी को गांव भेज रहे है। पुलिस ने भी परिजनों से पूछताछ के लिए टीम को गांव भेजा है।

ड्यूटी पर निकले हेड कॉन्स्टेबल की हादसे में मौत

दुर्ग। जिले में बेमेतरा ट्रैफिक पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल दुष्यंत ठाकुर की सड़क हादसे में मौत हो गई। दुष्यंत बेमेतरा से बालोद राज्यपाल के आने पर वीआईपी ड्यूटी पर जा रहे थे। वे अपनी बुलेट से सोमवार शाम को निकले थे। जैसे ही नंदिनी थाना क्षेत्र के पास पहुंचे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी और फरार हो गया। घायल को जुनवानी स्थित श्री शंकराचार्य अस्पताल ले जाया गया, वहां उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार बालोद जिले में राज्यपाल रामेन डेका का दौरा था। इसके चलते दुष्यंत ठाकुर की ड्यूटी एक दिन के लिए बालोद लगाई गई थी। प्रधान आरक्षक दुष्यंत अपनी बुलेट से सोमवार देर शाम ड्यूटी के लिए बेमेतरा से बालोद जाने के लिए निकले थे। दुष्यंत ठाकुर जैसे ही ग्राम पंचायत रवेलीडीह के पास पहुंचे, सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इससे बुलेट सहित दुष्यंत काफी दूर जा गिरे और उनको गहरी चोट आई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने डायल 112 को फोन किया। तुरंत नंदिनी थाना से एक टीम वहां पहुंची। टीम ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

20 लाख का गांजा जब्त

रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर रायपुर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत थाना उरला पुलिस ने 1 अप्रैल 2025 को गांजा तस्करी के बड़े मामले का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने 40.545 किलोग्राम गांजा जब्त कर गुजरात निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए गांजे और ट्रक की कुल कीमत 24.05 लाख रुपये आंकी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त रूप से सूचना मिली थी कि रियल कंपनी गेट के सामने एक ट्रक में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा गया है और तस्कर उसे लेकर कहीं जाने की फिराक में है। सूचना पर नगर पुलिस अधीक्षक उरला, सुश्री पूर्णिमा लामा और थाना प्रभारी उरला को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रक और संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी ली। पुलिस ने मौके से इरफान सा दीवान (32 वर्ष) निवासी आनंद, गुजरात को गिरफ्तार किया। जब ट्रक की टूल बॉक्स डिक्की की तलाशी ली गई, तो उसमें चार सफेद बोरियों में गांजा बरामद हुआ। जप्त सामानों में 40.545 किलोग्राम, ट्रक नंबर GJ-01 JT-4272 कुल कीमत लगभग 24.05 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ थाना उरला में अपराध क्रमांक 58/25 के तहत धारा 20(बी) नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (NDPS) एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया गया है।

डिजीटल अरेस्ट के जरिए ठगी करने वाला गिरोह पकड़ाया

दो मामलों में तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। डिजिटल अरेस्ट के जरिए लोगों को झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह तीन शातिर दुर्ग पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। एक आरोपी को 03 दिनो तक रेकी करने के बाद ठाणे मुम्बई से गिरफ्तार किया गया। वहीं एक अन्य मामले न्यु टाऊन कलकत्ता से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। खास बात यह है दोनों प्रकरणों में मास्टरमाइंड एक ही निकला जिसे पुलिस ने ठाणे मुंबई से गिरफ्तार किया है। थाना भिलाई नगर, थाना पुरानी भिलाई एवं एसीसीयु की संयुक्त कार्यवाही में यह सफलता मिली है।

दरअसल प्रार्थी इंद्रप्रकाश कश्यप निवासी 178 सी रुआंबन्धा सेक्टर ने थाना भिलाई नगर में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि मोबाइल नंबर 9783623063 के धारक द्वारा खुद को ट्राई से काल कर रहा हूं आपके आधार कार्ड से क्राईम हुआ है कहकर कुल 49,01,196 जमा करवाकर ठगी की। इस मामले में भिलाई नगर पुलिस ने धारा 318(4) बीएनएस. कायम कर विवेचना मे लिया गया है। वहीं पुरानी भिलाई के प्रकरण में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी के मेमोरेंडम पर दो आरोपियों की जानकारी कोलकाता में होने की मिली।

कोलकाता से पकड़ाए दो आरोपी

इसी क्रम मे थाना पुरानी भिलाई के के प्रकरण मे गिरफ्तार आरोपी सुखबीर सिंह के मेमोरेंडम के आधार पर तकनीकी पतासाजी के माध्यम से न्यु टाऊन कलकत्ता से आरोपी नरेन्द्र उर्फ टिंकु तथा उपेन्द्र कुमार को हिरासत मे लेकर पूछताछ किया गया। जिनके द्वारा घटना मे प्रयुक्त बैंक खाता का यूजर आईडी. पासवर्ड सुखबीर सिंह के द्वारा उपलब्ध कराये जाने पर उक्त खाते का डिटेल ठाणे मुम्बई निवासी सद्दाम मुल्ला को देना जिससे उक्त खाते मे धोखाधड़ी की रकम जमा कराकर 03 प्रतिशत कमीशन प्राप्त करना बताया गया। आरोपियों के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त 04 नग एन्ड्राइड मोबाईल फोन जब्त किया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रीम कार्यवाही थाना पुरानी भिलाई से की जा रही है। पूरी कार्रवाई में एएसआई शमित मिश्रा, हीरामन रामटेके, आरक्षक शाहबाज खान, आरक्षक शिव मिश्रा, आरक्षक गजेन्द्र साहू, आरक्षक भावेश पटेल राजकुमार की उल्लेखनीय भुमिका रही।

इस मामले में एसपी जितेन्द्र शुक्ला द्वारा आरोपियों की शीघ्र पतासाजी कर गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये थे। इसके बाद एएसपी सुखनंदन राठौर, सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी एवं उप पुलिस अधीक्षक एसीसीयु अजय सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भिलाई नगर निरीक्षक प्रशांत मिश्रा, थाना प्रभारी पुरानी भिलाई महेश ध्रुव के नेतृत्व एसीसीयु की संयुक्त टीम गठित कर कार्यवाही हेतु लगाया गया था।

तीन दिन की रेकी के बाद पकड़ाया सद्दाम

प्रकरण के विवेचना क्रम मे बैंक से आरोपी द्वारा उपयोग किए गए खातों की जानकारी ली गई। धोखाधड़ी की रकम आईसीआईसीआई बैंक के खाता क्रमांक 145405002945 वलुज संभाजीनगर महाराष्ट्र के उक्त खाता मे ट्रांसफर होना पाया गया। पूर्व में खाताधारक आरोपी बापु श्रीधर भराड़ को गिरफ्तार किया गया जिसके मेमोरेंडम के आधार पर आरोपी सोमनाथ मच्छिन्द ढोबले तथा शेख नवीद को क्रमशः बीढ व पूणे महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया है। उक्त आरोपियों के द्वारा पूछताछ के दोरान आईसीआईसीआई बैंक का उक्त खाता ठाणे मुम्बई निवासी सद्धाम मुल्ला को दिया है। टीम द्वारा ठाणे महाराष्ट्र जाकर आरोपी सद्दाम मुल्ला की ठाणे महाराष्ट्र मे लगातार तीन दिनो तक पतासाजी की गई और उसके बाद आरोपी सद्धाम मुल्ला को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन को जब्त किया गया है। आरोपी से विस्तृत पुछताछ करने पर उसके द्वारा सोमनाथ ढोबले एवं नवीद के द्वारा लाकर दिये गये आईसीआईसीआई. बैंक खाता के इंटरनेट बैंकिंग के यूजर आईडी. पासवर्ड तथा रजिस्टर्ड सिम कार्ड को उदयपुर राजस्थान निवासी तीन व्यक्तियों को देना जिनके द्वारा उक्त खाते मे ट्रांजेक्शन कर धोखाधड़ी की घटना को अंजाम देना बताया।

खातों को किराए पर लेकर करते थे ट्रांजेक्शन

विस्तृत पुछताछ के क्रम मे आरोपी के द्वारा थाना पुरानी भिलाई के प्रकरण में भी प्रयुक्त बैंक खाते से संबंधित इंटरनेत बैंकिंग का यूजर आईडी. पासवर्ड , झारखंड निवासी नरेन्द्र उर्फ टिंकु , उपेन्द्र , सुखबीर सिंह एवं उसके अन्य साथी के माध्यम से मिलना जिसे राजस्थान उदयपुर निवासी उक्त तीनो व्यक्तियों को देना बताया। इनके द्वारा खातों में पैसा जमा करवाकर धोखाधड़ी की रकम जमा कराकर अन्य खातों में ट्रांसफर करवा देना बताया। उक्त खातों के एवज मे धोखाधड़ी से प्राप्त रकम का 3 प्रतिशत कमीशन के रूप में प्राप्त होना बताया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश कर अग्रीम कार्यवाही थाना भिलाई नगर से की जा रही है।

अंबिकापुर के एक मेगाशॉप से चोरों ने 3.50 लाख किया पार, अपराध दर्ज

अंबिकापुर (ए.)। अंबिकापुर के अंबेडकर चौक के पास संचालित मेगा शॉप का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने तिजारी से 3.50 लाख रुपए कैश चोरी कर ली। सुबह जब मेगा शॉप के मैनेजर और कर्मचारी स्टोर पहुंचे तो उन्हें चोरी का पता चला। सीसीटीवी में दो आरोपी कैद हुए हैं, जो मेगाशॉप की तिजोरी तोड़कर पैसे निकालते दिख रहे हैं। घटना गांधीनगर थाना क्षेत्र की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अंबिकापुर के अंबेडकर चौक के पास संचालित मेगा शॉप के मैनेजर और कर्मचारी सोमवार की रात 10.40 बजे स्टोर का ताला बंद कर घर चले गए थे। मंगलवार सुबह जब कर्मचारी स्टोर पहुंचे तो उन्हें मेगा शॉप के शटर का ताला टूटा हुआ मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। घटना की सूचना पर गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची। गांधीनगर पुलिस की मौजूदगी में शटर खोला गया और स्टोर की जांच की गई। स्टोर के कैश काउंटर की तिजोरी टूटी मिली। पुलिस ने स्टोर के सीसीटीवी कैमरों की जांच की तो दो युवक स्टोर में घुसते और स्टोर की तिजोरी तोड़ते दिखे। युवकों ने मशक्कत के बाद स्टोर की तिजोरी तोड़ी। चोर तिजोरी से नगदी निकालकर भाग निकले। चोरी करने घुसे दो युवक करीब एक घंटे तक मेगाशॉप में रहे। स्टोर मैनेजर रोहित प्रताप सिंह ने बताया कि, तिजोरी में करीब 3.30 लाख रुपए थे। जिसे चोर चोरी कर ले गए हैं। स्टोर से और कोई सामान गायब हुआ है या नहीं, इस संबंध में स्टोर मैनेजर ने कहा कि, सामानों का मिलान नहीं किया गया है। सामानों के मिलान के बाद वे इस संबंध में कुछ बता पाएंगे।

घटना की सूचना पर फोरेंसिक एक्सपर्ट कुलदीप कुजूर और डॉग स्क्वायड की टीम भी मौके पर पहुंची। फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम ने मौके से सबूत एकत्र किया है। डॉग स्क्वायड का डॉग भी स्टोर में घूमने के बाद बाहर सड़क तक ही गया। फिलहाल आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिल सका है। मेगाशॉप में चोरी करने घुसे दो युवकों ने नकाब पहना हुआ था और चेहरे ढंके होने के कारण उनकी शिनाख्त नहीं हो पा रही है। पुलिस आसपास के सीसी कैमरों की जांच कर रही है, ताकि युवकों का कोई सुराग मिल सके। यह मेगा शॉप अंबेडकर चौक के पास संचालित है, जहां सामान्य तौर पर पुलिस की गश्ती टीम के साथ पुलिस टीम की ड्यूटी भी रहती है। सुरक्षित माने जाने वाले इस क्षेत्र में हुई चोरी से पुलिस पर लापरवाही के आरोप लग रहे हैं।

रायपुर के एक कपड़ा शोरूम में 30 लाख की चोरी

रायपुर। पंडरी के श्रीशिवम शोरूम में एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। बताया जा रहा है कि चोर रात में बुर्का पहनकर दुकान में घुसा था। इस दौरान उसने कुछ कर्मचारियों से बातचीत भी की, फिर शोरूम बंद होने का इंतजार किया। शोरूम बंद होने के बाद उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पंडरी के श्रीशिवम शोरूम में चोरी की वारदात हुई है। चोरी की वारदात 31 मार्च की दरमियानी रात को हुई। चोर रात करीब साढ़े 9 बजे घुसा, लेकिन बाहर नहीं निकला। वहीं दुकान में छिपा रहा। इस दौरान चोर पर किसी कर्मचारी की भी नजर नहीं पड़ी। रात में जब कर्मचारी शॉप को बंद कर चले गए, तो वह कैश काउंटर के पास पहुंचा। उसने वहां लगे दो लॉकर तोड़कर करीब 30 लाख रुपए चुरा लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी छत से रस्सी के सहारे शोरूम से बाहर निकला और भाग गया। फिलहाल इस मामले की जांच क्राइम ब्रांच के साथ सिविल पुलिस की टीम कर रही है। आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

आरक्षक व डायल 112 के चालक ने तस्करों से जब्त गांजा किया पार, मामला खुला तो दोनों गिरफ्तार

एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने किया निलंबित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाई थाने का आरक्षक डायल 112 के चालक के साथ मिलकर गांजा तस्करी के मामले में पकड़ाया है। दरअसल आरक्षक ने तस्करों से बरामद गांजे की तीन में से एक बोरी को अपने कब्जे में रख लिया थाद्ध मामला उजागर होने पर एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने भिलाई-3 थाने में पदस्थ आरक्षक विजय धुरंधर को निलंबित कर दिया। मंगलवार को निलंबित आरक्षक विजय धुरंधर और डायल 112 के ड्राइवर अनिल टंडन के खिलाफ भिलाई-3 पुलिस ने अपराध कायम कर गिरफ्तार कर लिया है। पुरानी भिलाई पुलिस ने धारा 20(B)(ii)(B) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

दरअसल 30 मार्च की शाम को पुरैना में एनएसपीसीसी राखड़ बांध की ओर से आ रही सफेद रंग की एसयूवी सीजी 22 एसी 5656 को

डायल 112 वाहन में चल रहे भिलाई-3 थाने के आरक्षक विजय धुरंधर ने रोका। कार में सवार धीरेन्द्र शर्मा निवासी सेक्टर 11 जोन 1 खुर्सीपार तथा युवराज मेहता निवासी गायत्री नगर भिलाई-3 से पूछताछ करने के बाद तलाशी ली तो पीछे सीट के ऊपर तीन प्लास्टिक की बोरियां मिली। बोरियों में गांजा रखे होने का पता चलने पर आरक्षक विजय धुरंधर और डायल 112 के ड्राइवर अनिल टंडन ने एक बोरी अपने कब्जे में रख लिया और दो बोरियों की बरामदगी दिखाकर दोनों युवकों को थाने ले गए। पुलिस की पूछताछ में गांजा तस्करी के मामले में पकड़े गए दोनों युवकों दो के बजाय तीन बोरी गांजा होने की जानकारी दी। जबकि आरक्षक विजय धुरंधर और डायल 112 के ड्राइवर अनिल टंडन ने थाने में दो बोरी गांजा बरामद किए जाने की जानकारी दी थी।

इसके बाद पुलिस ने जांच की तो पता चला डायल 112 का चालक ग्राम औंधी निवासी अनिल कुमार टंडन और आरक्षक विजय धुरन्धर ने उक्त गांजा पार किया था। पुलिस ने आरक्षक के पास से 6.398 किलोग्राम छ किलो तीन सौ अंठयनबे ग्राम मादक पदार्थ गांजा कीमती करीबन 37 हजार रुपए डायल 112 वाहन सूमो क्रमांक सीजी 03 7086 कीमती 3 लाख व मोबाइल फोन जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेन्द्र शुक्ला ने भिलाई-3 थाने में पदस्थ आरक्षक 1654 विजय धुरंधर को एनडीपीएस के प्रकरण में संलिप्तता पाए जाने के कारण 31 मार्च 2025 के अपरान्ह से निलंबित कर रक्षित केन्द्र दुर्ग में सम्बद्ध किया था। निलंबन अवधि में आरक्षक विजय धुरंधर को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। इसके बाद आरक्षक विजय धुरंधर और डायल 112 के ड्राइवर अनिल टंडन को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बिजली विभाग के खाते से 31 लाख की चोरी

रायपुर। दो विद्युत कर्मियों ने कंपनी के बैंक एकाउंट से 12 दिनों में 31 लाख रूपए पार कर दिए। डगनियां मुख्यालय के प्रबंधक की रिपोर्ट पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। विद्युत सेवा भवन डगनिया में पदस्थ प्रबंधक राजेश कुमार ताती (46) ने कल रात सरस्वती नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया। पुलिस के मुताबिक रजबंधा मैदान स्थित बैंक आफइंडिया में विद्युत कंपनी का एकाउंट है। उसी के माध्यम से कंपनी के लेनदेन होते हैं। इस एकाउंट से एक माह पूर्व बीते 1-12 मार्च के बीच 17 चैक के जरिए 31 लाख 11300 रूपए निकाल लिए गए।

बर्ड फ्लू : कोरिया के फार्म में दो हजार से ज्यादा मुर्गियों व 10 हजार चूजों को किया गया नष्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के बैकुंठपुर प्रेमाबाग स्थित शासकीय कुक्कुट पालन केंद्र में बर्ड फ्लू की दस्तक के बाद हडकंप मच गया है। यहां 12 मुर्गियों में बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) की पुष्टि हुई। इसके बाद पोल्ट्री फार्म में 19 हजार से ज्यादा अंडे, करीब 10 हजार चूजे नष्ट किए गए। इसके अलावा 2 हजार 487 मुर्गियां और 2 हजार 448 बटेरों को भी मारा गया है। कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी ने अलर्ट जारी किय। साथ ही सूरजपुर और सरगुजा जिले में भी अलर्ट जारी किया गया है।

कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर स्थित शासकीय कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र में एवियन एन्फ्लुएन्जा के संक्रमण की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक किलोमीटर की परिधि को इन्फेक्टेड जोन और एक से 10 किलोमीटर की परिधि को सर्विलेन्स जोन घोषित कर दिया है। कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी ने बताया कि तीन महीने तक या आगामी आदेश तक यह आदेश प्रभावी रहेगा। इन्फेक्टेड जोन (एक किलोमीटर) पूर्व दिशा में बैकुण्ठपुर से जनकपुर, पश्चिम दिशा में बैकुण्ठपुर से धौराटिकरा, उत्तर दिशा में बैकुण्ठपुर से खुटहनपारा और दक्षिण दिशा में बैकुण्ठपुर से एमएलए नगर तक है वहीं सर्विलेन्स जोन (1 से 10 किलोमीटर) इन्फेक्टेड जोन की सीमा से महोरा पुल से शंकरपुर, छरछा बस्ती और बड़गांव तक होगी।

खरीदी-बिक्री पर भी बैन

कलेक्टर ने बताया कि प्रत्येक कर्मचारी नियमित रुप से ओसेल्टामिवीर टेबलेट वितरण किया जा रहा है। बर्ड फ्लू के दौरान खरीदी-बिक्री पर बैन लगा दिया है। आम नागरिक किसी भी आपातकालीन स्थिति में कंट्रोल रूम से संपर्क कर सकते हैं, जिसका नंबर 07836-232469 है। बर्ड फ्लू को रोकने के लिए लगातार मुनादी कराई जा रही है। साथ ही जिला सूरजपुर, मनेंद्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर, बिलासपुर मार्ग पर बेरियर लगाकर जांच की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि जिन निजी दुकानदारों से मुर्गी, चूजे विनिष्टकरन किया जाएगा, उन्हें नियमानुसार मुआवजा भी दिया जाएगा।

इन्फेक्टेड जोन से आवाजाही प्रतिबंधित

कलेक्टर ने निर्देश दिया है कि इन्फेक्टेड जोन से पोल्ट्री उत्पादों की आवाजाही पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दी गई है। इसके अलावा, सर्विलेन्स जोन में पोल्ट्री और सह उत्पादों (मुर्गा, अंडा आदि) के बाजार और दुकाने बंद कर दी गई हैं। डोर-टू-डोर डिलीवरी भी रोक दी गई है। सर्विलेन्स जोन में पोल्ट्री उत्पादों के बाजार, दुकानों और डोर-टू-डोर डिलीवरी को भी बंद कर दिया गया है। कलेक्टर ने बताया कि 31 मार्च 2025 की स्थिति में 2,487 व्यस्क पेरेंट्स स्टॉक मुर्गे-मुर्गियां, 2,448 पाले गए बटेर, 9,998 नग कुक्कुट चूजों, 19095 कुक्कुट अंडे, 200 बटेर अंडे और 7500 किलो कुक्कुट आहार को विनष्टीकरण किया गया है।

महासमुंद में सेक्स रैकेट का हुआ भंडाफोड़, 6 आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद (ए.)। महासमुंद जिले के सरायपाली में जय पैलेश होटल में सेक्स रैकेट चलाने और युवती से छेड़छाड़ मामले में सरायपाली पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा कि यहां रायपुर से युवतियों व महिलाओं को बुलाया जाता था। पकड़े गए आरोपियों में जयप्रकाश पटेल, भोपाल सिंह, चंदन कुमार, हरदीप सिंह, होटल संचालक अंकित पटेल और संतोष दास शामिल हैं। एएसपी प्रतिभा पांडेय से मिली जानकारी के अनुसार, होटल संचालक सेक्स रैकेट चलाने का काम कर रहा था। इसके लिए बाकायदा राजधानी रायपुर से युवतियों व महिलाओं को बुलाया जाता था। एएसपी ने बताया, रायपुर से सरायपाली के जय पैलेश होटल आई एक महिला के साथ 4 लोगों ने छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद होटल में सेक्स रैकेट का भंडा फूटा। सरायपाली पुलिस ने छेड़छाड़ के 4 आरोपी और देह व्यापार चलाने वाले 02 अन्य आरोपियों को

गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। महासमुंद जिले के सरायपाली में एक बड़े सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने जय पैलेश होटल में छापेमारी कर देह व्यापार से जुड़े 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि यह रैकेट लंबे समय से संचालित किया जा रहा था, जिसमें रायपुर से युवतियों और महिलाओं को बुलाकर होटल में अवैध धंधा किया जाता था।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को इस बात की जानकारी मिली कि रायपुर से आई एक महिला ने छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई। महिला के अनुसार, होटल में रुके चार व्यक्तियों ने उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। जब पुलिस ने इस मामले की गहन जांच की, तो होटल के भीतर एक संगठित सेक्स रैकेट का खुलासा हुआ। गिरफ्तार आरोपी कौन हैं? इस मामले में पुलिस ने होटल संचालक अंकित पटेल समेत जयप्रकाश पटेल, भोपाल सिंह, चंदन कुमार, हरदीप सिंह और संतोष दास को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, इनमें से चार आरोपी छेड़छाड़ के दोषी हैं, जबकि दो आरोपी देह व्यापार संचालित कर रहे थे।

सेक्स रैकेट का तरीका एएसपी प्रतिभा पांडेय ने बताया कि यह रैकेट बड़े संगठित तरीके से संचालित किया जा रहा था। रायपुर से युवतियों और महिलाओं को बहला-फुसलाकर होटल में लाया जाता था, जहां उन्हें ग्राहकों के पास भेजा जाता था। यह गुप्त धंधा होटल के कमरों में चल रहा था, जिससे किसी को शक न हो। पुलिस की कार्रवाई सरायपाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उनके खिलाफ छेड़छाड़, अनैतिक गतिविधियों में लिप्त होने और देह व्यापार से संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

पुलिस का कहना है कि पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है और आगे भी कई और गिरफ्तारियां संभव हैं। इस घटना के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि ऐसे अवैध धंधों के चलते क्षेत्र की छवि खराब हो रही है। पुलिस प्रशासन से मांग की जा रही है कि इस तरह के अवैध कार्यों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि समाज को इस गंदे कारोबार से बचाया जा सके। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इस रैकेट से जुड़े और कौन-कौन लोग शामिल हैं और इसमें किन-किन बड़े लोगों की संलिप्तता हो सकती है। मामले की जांच जारी है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

- जिला निर्माण समिति के माध्यम से निर्माण कार्यों का होगा बेहतर क्रियान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन
- नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता - मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का बड़ा निर्णय

नक्सल प्रभावित जिलों में निर्माण कार्यों के लिए जिला निर्माण समिति का गठन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन ने एक निर्णायक कदम उठाते हुए नक्सल प्रभावित सुकमा, बीजापुर एवं नारायणपुर जिलों में निर्माण कार्यों की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु जिला निर्माण समिति के गठन की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट कहा है कि भ्रष्टाचार को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जनता के पैसे से चलने वाले कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इसी तारतम्य में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जिला निर्माण समिति के गठन के सम्बन्ध में आदेश जारी किया गया है। यह समिति निर्माण कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन के लिए गठित की गई है। समिति के अध्यक्ष जिला कलेक्टर रहेंगे। जिले के पुलिस अधीक्षक, सीईओ जिला पंचायत, डीएफओ, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री, जिला कोषालय अधिकारी एवं संबंधित कार्य के जिला प्रमुख अधिकारी समिति के सदस्य रहेंगे।

जिला निर्माण समिति का कार्य क्षेत्र संपूर्ण राजस्व जिला होगा। कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति वर्तमान नियमों के तहत् सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी की जाएगी। जिला निर्माण समिति के माध्यम से किए जाने वाले कार्यों का निर्धारण जिला कलेक्टर द्वारा किया जायेगा। जिन कार्यों को 3 बार ऑनलाईन निविदा आमंत्रित करने के बाद भी, इच्छुक ठेकेदार उपलब्ध नहीं होने के कारण पूरा कराया जाना संभव न हो, ऐसे अत्यावश्यक तथा अपरिहार्य निर्माण कार्यों को जिला निर्माण समिति के माध्यम से कराया जायेगा। जिले के जो ब्लॉक गहन रूप से नक्सल प्रभावित नहीं है उनमें जिला निर्माण समिति के माध्यम से यथासंभव कार्य नहीं कराया जाने के निर्देश हैं। स्थानीय निधि जैसे की डीएमएफ/सीएसआर इत्यादि मद से कराए जाने वाले कार्यों में भी सर्वप्रथम कार्य एजेंसी जैसे की पीडब्लूडी/आरईएस/पीएमजीएसवाई इत्यादि को ही क्रियान्वयन एजेंसी नियुक्त किया चाहिए ना की जिला निर्माण एजेंसी को। इन एजेंसी के द्वारा अगर कार्य निष्पादन नहीं हो पाता है, लगातार 3 बार निविदा में कोई भाग नहीं लेता है तब वैसी परिस्थिति में ही कार्य स्थानीय निधि से जो कराए जाने है, में जिला निर्माण एजेंसी को क्रियान्वयन एजेंसी बनाया जा सकता है।

समिति के माध्यम से रूपये 10.00 करोड़ तक का कार्य कराया जा सकेगा। अपरिहार्य तथा अत्यावश्यक निर्माण कार्यों को जिला निर्माण समिति से कराये जाने के संबंध में ई-टेण्डर द्वारा निविदा आमंत्रित की जायेगी। जिला निर्माण समिति द्वारा एक कार्य को निर्माण की सुविधा की दृष्टि से दो अथवा दो से अधिक भागों में विभाजित किया जा सकेगा, जैसे- पुल-पुलियों के कार्य सहित सड़क निर्माण का कार्य स्वीकृत हो, तो सड़क कार्य के लिये अलग ठेकेदार तथा पुल-पुलियों के लिये अलग-ठेकेदार नियुक्त करने की छूट होगी। सड़क की लंबाई अधिक होने अथवा पुल-पुलियों की संख्या अधिक होने की स्थिति में सड़क को दो अथवा दो से अधिक भागों में बांटने तथा अलग-अलग पुल-पुलियों के लिये भी अलग-अलग एजेंसी नियुक्त करने की छूट होगी, किन्तु एक कार्य को छोटे-छोटे टुकडों में विभाजित करते समय समिति द्वारा इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि समग्र रूप से कार्य की गुणवत्ता एक जैसी रहे तथा अलग-अलग टुकड़ों में कराए गए कार्यों के लागत मूल्य में समानता रहे। यदि कार्य को अलग अलग-अलग टुकड़ों में कराया जाता है तो यह ध्यान रखा जाए कि विगत तीन वर्षों में जिले में विभिन्न विभागों के द्वारा कराए गए समान प्रवृत्ति के कार्य के दर से अधिक नहीं हो। कार्यों का निरीक्षण, पर्यवेक्षण तथा मूल्यांकन का कार्य लोक निर्माण विभाग या कलेक्टर द्वारा निर्धारित किसी सक्षम तकनीकी अधिकारी के द्वारा किया जायेगा।

निविदा स्वीकार करने वाला प्राधिकारी निविदाओं को स्वीकार करने से पहले दरों की उचितता के बारे में खुद को संतुष्ट करेगा। दरों की उचितता का आंकलन मुख्य रूप से उचित दरों के आधार पर किया जाएगा, निविदा स्वीकार करने वाला प्राधिकारी निविदाओं पर निर्णय लेते समय पिछले तीन महीनों की अवधि के भीतर बुलाए गए कार्यों की समान प्रकृति की निविदाओं की दरों का उल्लेख कर सकता है। समान कार्यों का अर्थ है प्रकृति, मात्रा, विनिर्देशों और स्थान में समान कार्य, जो बहुत करीब है। दरों की उचितता की जांच के लिए औचित्य कथन तैयार किया जाएगा। इस विधि में श्रम, सामग्री, माल ढुलाई आदि की बाजार दरों को ध्यान में रखते हुए दरों का विस्तृत विश्लेषण तैयार करना शामिल है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में यह पहल न केवल प्रशासनिक दक्षता बढ़ाएगी, बल्कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास को गति देने के साथ-साथ भ्रष्टाचार पर कठोर प्रहार भी करेगी।

राज्य शासन के विकास, विश्वास और पारदर्शिता के मूल सिद्धांतों को सशक्त करने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री साय की यह रणनीति एक निर्णायक कदम है।

छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा निर्णय: व्यापारियों को राहत, ई-वे बिल की सीमा 1 लाख तक बढ़ाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के छोटे व्यापारियों और मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए दो अहम निर्णय लागू किए हैं, जो 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी हो चुके हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और वित्त मंत्री ओपी चौधरी के दिशानिर्देश पर इन निर्णयों को वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल किया गया था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ के भीतर माल परिवहन के लिए अनिवार्य ई-वे बिल की सीमा ?50,000 से बढ़ाकर 1 लाख कर दी है। यह निर्णय विशेष रूप से छोटे व्यापारियों को राहत देने के उद्देश्य से लिया गया है।

इस निर्णय से व्यापारियों को 1 लाख तक के मूल्य के सामानों के परिवहन में अब ई-वे बिल की आवश्यकता नहीं होगी। इस निर्णय से राज्य में ई-वे बिल जनरेट करने वाले लगभग 26त्न व्यापारियों को ई-वे बिल जनरेट करने से मुक्ति मिलेगी। इस निर्णय से ई-वे बिल जनरेशन में 54 प्रतिशत की कमी आएगी, जिससे अनुपालन व्यय में उल्लेखनीय कमी आएगी।

हालांकि, कुछ विशेष वस्तुएं जैसे पान मसाला, तंबाकू उत्पाद, विशिष्ट लकड़ी उत्पाद जैसे प्लायवुड, लेमिनेटेड शीट, पार्टिकल बोर्ड, फाइबर बोर्ड, आयरन, स्टील एवं उसके सामान, कोयला के लिए यह छूट लागू नहीं होगी। व्यापारियों द्वारा लंबे समय से ई-वे बिल में छूट दिए जाने की मांग पर यह निर्णय लिया गया है, जो व्यापार को सुगम और लागत प्रभावी बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है।

पेट्रोल पर वैट में 1 प्रति लीटर की कमी

राज्य सरकार ने 1 अप्रैल 2025 से पेट्रोल पर वैट की राशि में ?1 प्रति लीटर की कटौती की है। इस निर्णय से पेट्रोल की कीमतों में सीधे कमी आएगी, जिसका लाभ विशेष रूप से मध्यमवर्गीय और निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों को मिलेगा। छत्तीसगढ़ में दुपहिया वाहनों का उपयोग करने वालों की संख्या अधिक है, जो मुख्यतः पेट्रोल पर निर्भर हैं। वैट में की गई यह कटौती इन परिवारों की रोज़मर्रा की लागत को कम करने में सहायक सिद्ध होगी। यह निर्णय भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा वर्ष 2025-26 के बजट में की गई घोषणा के अनुरूप वर्तमान आर्थिक परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए क्रियान्वित किया गया है।

सरकार की प्रतिबद्धता : सुगमता, सुविधा और संवेदनशीलता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेशवासियों की समस्याओं को समझते हुए लगातार ऐसे निर्णय ले रही है जो सार्थक, जनहितकारी और दूरदर्शिता से परिपूर्ण हों। व्यापारी वर्ग को सहूलियत और आम जनता को राहत देने के ये निर्णय प्रदेश के आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण कारक सिद्ध होंगे।

मुख्यमंत्री साय ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मधुसूदन दास की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

ओडिशा राज्य स्थापना की ऐतिहासिक प्रेरणा को किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को राजधानी रायपुर के महिला थाना चौक (मधुसूदन दास चौक) में उत्कल दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बैरिस्टर मधुसूदन दास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें सादर नमन किया। मुख्यमंत्री साय ने ओडिशा राज्य स्थापना दिवस (उत्कल दिवस) पर प्रदेश सहित देशभर में रह रहे उत्कल समाज के सभी बंधुओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि यह दिवस केवल ओडिशा के गठन का उत्सव नहीं, बल्कि संघर्ष, आत्मगौरव और सांस्कृतिक एकता की प्रेरणा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में उत्कल समाज के लोग निवास करते हैं, जो प्रदेश की सामाजिक समरसता और विविधता को सशक्त बनाते हैं।

बैरिस्टर मधुसूदन दास के योगदान को किया नमन

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बैरिस्टर मधुसूदन दास जैसे दूरदर्शी और समर्पित व्यक्तित्व के संघर्षों के कारण ही 1 अप्रैल 1936 को ओडिशा राज्य का गठन हुआ। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच सदियों से सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध रहे हैं। उन्होंने बताया कि महाप्रभु श्री जगन्नाथ को चढ़ने वाला भोग का चावल आज भी छत्तीसगढ़ से जाता है। विशेष रूप से देवभोग क्षेत्र का चावल, जो प्रभु के प्रसाद के रूप में उपयोग होता है, दोनों राज्यों के धार्मिक जुड़ाव का प्रतीक है।

महाप्रभु जगन्नाथ से प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना

मुख्यमंत्री साय ने महाप्रभु जगन्नाथ से छत्तीसगढ़वासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद हमेशा छत्तीसगढ़ पर बना रहेगा। इस अवसर पर विधायक किरण देव, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक सुनील सोनी, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर, संजय श्रीवास्तव, उत्कल समाज के सदस्य एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर जनहित में हो रहा डीएमएफ राशि का प्रभावी उपयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के स्पष्ट निर्देश हैं कि शासन की प्रत्येक योजना का लाभ राज्य की जनता तक पहुँचे और सभी संसाधनों का उपयोग जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किया जाए। मुख्यमंत्री की इस जनकेंद्रित सोच के अनुरूप अब डीएमएफ(जिला खनिज संस्थान न्यास) की राशि का जनहित में लोगों को गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में उपयोग प्रारंभ हो गया है।

इसी क्रम में दंतेवाड़ा जिले की डीएमएफ शासी परिषद की बैठक में गीदम में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय भवन निर्माण कार्य हेतु ?299 करोड़ 85 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति क्षेत्रीय स्वास्थ्य ढांचे को सशक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के क्रियान्वयन के लिए लोक स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत सीजीएमएससी (छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉर्पोरेशन) को कार्य एजेंसी नियुक्त किया गया है। सीजीएमएससी नियमानुसार राज्य शासन एवं पीडब्ल्यूडी मैनुअल के प्रावधानों के तहत निविदा प्रक्रिया, कार्यादेश और निर्धारित समय सीमा का पालन सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में यह पहल न सिर्फ गीदम और दंतेवाड़ा क्षेत्र के लोगों को अपने निवास के समीप उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराएगी, बल्कि यह संपूर्ण बस्तर अंचल के स्वास्थ्य सेवा तंत्र को भी एक नई दिशा देगी।

यह निर्णय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की जनकेंद्रित सरकार की उस अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें विकास, विश्वास और पारदर्शिता को समान रूप से महत्व देते हुए राज्य के प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प झलकता है।

स्वदेश पत्र समूह ने समाज में भारतीयता की भावना को पुष्ट किया : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय विचार पत्रिका स्वदेश द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम विमर्श में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समय है अब मन की अयोध्या को सजाने का विषय पर आयोजित इस विमर्श व्याख्यान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

सह सरकार्यवाह चक्रधर ने अपने व्याख्यान में कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों एवं गुणों को मन में आत्मसात करना ही मन की अयोध्या को सजाना है। उन्होंने कहा कि केवल मन ही नहीं, बल्कि अपने परिवार, समाज, गांव और राष्ट्र को भी राममय बनाना है। उन्होंने श्रीराम के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन वचन-पालन, धैर्य, करुणा भाव, परामर्श, श्रेय, न्याय, अहंकार का त्याग, मित्रता और दूसरों के प्रति सम्मान एवं समभाव जैसे गुणों से परिपूर्ण था। इन गुणों को अपनाकर हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं।

श्री चक्रधर ने आगे श्रीराम के जीवन से जुड़ी घटनाओं के छोटे-छोटे उदाहरणों के माध्यम से उनके आदर्श गुणों को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि श्रीराम वचन के प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ थे—राजतिलक की घोषणा के अगले ही दिन उन्होंने पिता दशरथ द्वारा दिए गए वचन के सम्मान में सहर्ष वनवास स्वीकार किया। इसी प्रकार उन्होंने हर सुख-दुख की परिस्थिति में धैर्य बनाए रखा, कभी भी अहंकार को अपने पास नहीं आने दिया और सभी के साथ समभाव रखते हुए सम्मान का आदर्श प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि इन गुणों को आत्मसात कर हम अपने मन, परिवार, समाज और राष्ट्र को सशक्त बना सकते हैं और 2047 के विकसित भारत की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं।

इस अवसर पर अयोध्या आंदोलन पर केंद्रित ग्रंथ राम काजु कीन्हें बिनु एवं छत्तीसगढ़ की लोक कला-संस्कृति पर आधारित पुस्तक का विमोचन मंच से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य क्षेत्र के संघचालक डॉ. पूर्णेंदु सक्सेना ने की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, स्वदेश पत्रिका समूह के संपादक श्री अतुल तारे एवं प्रबंध संपादक यशवर्धन जैन मंच पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि स्वदेश पत्र समूह ने अपनी सात दशकों की अविरल यात्रा में समाज में भारतीयता की भावना को पुष्ट करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि स्वदेश समाचार पत्र आज भले ही नए कलेवर में है, लेकिन इसका इतिहास अत्यंत समृद्ध है। देश की आजादी के तुरंत बाद 1948 में अंत्योदय और एकात्म मानवतावाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की परिकल्पना से इस पत्र का प्रकाशन आरंभ हुआ। हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी भी इसके संपादक रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष 1975 में जब देश में आपातकाल लागू हुआ, तब स्वदेश समाचार पत्र समूह के अधिकांश लोगों को जेल में डाल दिया गया। इसके बावजूद यह पत्र भारतीयता की भावना को लोगों तक पहुँचाता रहा और अडिग रहा। आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की हत्या की गई और लाखों लोगों को जेल में डाल दिया गया। अनेक परिवार उजड़ गए। ऐसे मीसाबंदियों को पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की सरकार ने सम्मान निधि देना प्रारंभ किया था, जो पिछले 5 वर्षों से बंद थी, जिसे हमारी सरकार ने पुनः प्रारंभ किया है। साथ ही विधानसभा में विधेयक लाकर यह सुनिश्चित किया गया है कि मीसाबंदियों को यह सम्मान राशि निरंतर मिलती रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का व्याख्यान विषय समय है अब मन की अयोध्या को सजाने का अत्यंत प्रासंगिक है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की भूमि है और भगवान श्रीराम को यहां भांजा कहा जाता है। उन्होंने कहा कि रामराज्य का अर्थ है—जनता की सेवा। हमारी सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर जनसेवा का कार्य कर रही है। भ्रष्टाचार के प्रति हमारी नीति जीरो टॉलरेंस की है। हम श्रीराम के आदर्शों के अनुरूप रामराज्य की कल्पना को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं मध्य क्षेत्र के संघचालक डॉ. पूर्णेंदु सक्सेना ने भी संबोधित किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950